प्रवेश परीक्षा निर्देशिका

2013

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद 'नैक' द्वारा 'बी श्रेणी' में मूल्यांकित

कमला नेहरू भौतिक एवं सामाजिक विज्ञान संस्थान

सुलतानपुर (उ.प्र.) - 228 118 दूरभाष : 05362 - 240854, 9415359127, 8765632100
Visit us : www.knmt.org.in • E-mail : knipss_sln@rediffmail.com

संस्थापक केदार नाथ सिंह जी - एक परिचय

केदार नाथ सिंह
1928-1999

उपनिवेशवादी शोषण से पूर्वी उत्तर प्रदेश में सर्वाधिक प्रभावित जनपद सुलतानपुर की अशिक्षा एवं निर्धनता के तिमिर को दूर करने हेतु दैदीप्तमान आभा मण्डल के रूप में श्री केदार नाथ सिंह का आविर्भाव (जन्म) सन् 1928 में बलुआ के कृषक परिवार में बाबू रामपाल सिंह के ज्येष्ठ पुत्र के रूप में हुआ। माता श्रीमती जगवन्ती देवी की प्रेरणा से श्री केदार नाथ सिंह बाल्यकाल से ही निर्धनता एवं अभावों के बीच संघर्ष का मार्ग अख्तियार कर समाज के हितों की रक्षा के लिए सदैव जूझने एवं प्रयासरत रहने की शिक्षा पारिवारिक पृष्ठभूमि से ही हासिल की। बाल्यकाल में ही शासक ध्वज यूनियन जैक के स्थान पर तिरंगा लहराने का अदम्य साहस दिखाते हुए अन्याय के प्रखर विरोधी श्री सिंह के संघर्ष की गाथा वाराणसी स्थित यू.पी. कालेज में जाति विशेष के प्रवेश के लिए स्थापित परम्परा के विरोध से प्रारम्भ हुई, जहाँ वे छात्रसंघ के अध्यक्ष के रूप में स्वतः चुन लिए गये। वाराणसी में ही काकोरी षड़यन्त्र काण्ड के नायक योगेश चन्द्र चटर्जी से उनका सम्पर्क स्थापित हुआ जो उनके राजनीतिक गुरू बने। कॉमरेड सरयू पाण्डेय, झारखण्डे राय प्रभृति नेताओं के सम्पर्क में आकर उन्होंने आर.एस.पी. की सदस्यता ग्रहण की। अन्याय एवं शोषण के विरूद्ध संघर्षरत छात्र नेता के रूप में प्रतिष्ठित केदार नाथ सिंह उच्च शिक्षा हेतु प्रयाग विश्वविद्यालय, इलाहाबाद पहुँचे, जो उन दिनों राजनीतिक चेतना का केन्द्र बिन्दु था। प्रयाग विश्वविद्यालय के छात्रसंघ के लोकप्रिय अध्यक्ष के रूप में विश्वविद्यालय की स्वायत्तता समाप्त किये जाने के विरोध में उन्होंने 21 दिन आमरण अनशन करते हुए राज्यपाल को ऐसा न करने पर मजबूर कर दिया। छात्र जीवन में ही 'स्पार्क' एवं 'जनमत' नामक समाचार पत्रों की स्थापना कर अखिल भारतीय विश्वविद्यालय छात्रसंघ की उत्तर प्रदेश इकाई के अध्यक्ष पद पर कार्य करते हुए के.एन.सिंह कम्युनिस्ट पार्टी में चले गये। और सुलतानपुर जनपद के निर्बल एवं असहाय वर्ग के कानूनी रक्षक बनकर सुलतानपुर न्यायालय में वकालत प्रारम्भ की। उनके जुझारू व्यक्तित्व एवं संघर्षों की यात्रा से प्रभावित श्रीमती इन्दिरा गाँधी ने 1970 में सुलतानपुर लोकसभा के उपचुनाव में उन्हें काँग्रेस का उम्मीदवार बनाया और बाबू के.एन. सिंह लोकसभा सदस्य बनें। सन् 1971 में प्रबल बहुमत प्राप्त करके श्रीमती इन्दिरा गाँधी के मन्त्रिमण्डल के सदस्य बनाये गये। बाबू जगजीवन राम के साथ देश की कृषि एवं सिंचाई व्यवस्था को सुधारने में 'केन्द्रीय कृषि उपमन्त्री' के रूप में उनका कार्य स्मरणीय रहेगा। लोकसभा में पूर्वी उत्तर प्रदेश की गरीबी के विषय में दिया गया उनका ऐतिहासिक भाषण इतना प्रभावशाली रहा कि श्रीमती इन्दिरा गाँधी की आँखे भर आयी और उन्होंने 'गरीबी हटाओं' का नारा दिया जिसने देश की राजनीति को एक नया मोड़ दिया।

'अशिक्षात सुलतानपुर के विकास में मुख्य बाधा है- ऐसा विचार बार-बार आने पर 2 अक्टूबर, 1972 को उच्च शिक्षा हेतु उन्होंने कमला नेहरू इन्स्टीट्यूट ऑफ साइन्स एण्ड टेक्नोलॉजी, सुलतानपुर की स्थापना ऐतिहासिक पृष्ठभूमि वाले गोमती तट पर किया। सन् 1977 में भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति श्री फखरूद्दीन अली अहमद, जो परिसर में प्रौद्योगिक संस्थान का उद्घाटन करने पधारे थे, का स्वागत करते हुए बाबू केदर नाथ सिंह का दार्शनिक उद्गार विकास का ऐतिहासिक एजेण्डा बन गया।

...कमला नेहरू इन्स्टीट्यूट की स्थापना का मकसद महज एक तालीमी इदारा कायम करना नहीं है, बल्कि इस पूरे इलाके की गुरबत की लड़ाई इसी इदारे से उसी दोहरे निश्चय के साथ लड़ना है, जिस अज्म् के साथ इस इलाके के बाशिन्दों ने सन् 1857 की जंगे-आज़ादी लड़ी थी।

...आर्थिक आज़ादी के लिए जंग का मरकज़ कमला नेहरू इन्स्टीट्यूट है।

बाबू केदार नाथ सिंह ने अपने सतत् प्रयासों से सुलतानपुर में चीनी मिल, 400 केवी विद्युत सम्प्रेषण व्यवस्था, 330 करोड़ की डबल कैनाल (नहर) शासन स्तर से उपलब्ध कराया। सन् 1982 में माडर्न फूड इन्डस्ट्रीज के राष्ट्रीय अध्यक्ष, सन् 1984 में गाजियाबाद संसदीय सीट से काँग्रेस के लोकसभा सदस्य एवं अखिल भारतीय कांग्रेस कार्यसमिति के महासचिव बनाये गये और सन् 1990 में राज्यसभा के सदस्य चुने गये।

शैक्षिक विकास के क्षेत्र में 'इंजीनियरिंग कालेज', नई कृषि विज्ञान तकनीक हेतु 'कृषि विज्ञान केन्द्र' बाल शिक्षा हेतु 'कमला नेहरू बाल शिक्षण 'संस्थान' के संस्थापक बाबू केदार नाथ सिंह संघर्षरत जीवन में अपने स्वास्थ्य की चिन्ता न करने के कारण उत्तरोत्तर शारीरिक रूप से कमजोर हो गये किन्तु संघर्ष एवं विकास की मशाल को निरन्तर जलाये रखा। जनपद सुलतानपुर में मेडिकल कालेज की स्थापना हेतु निरन्तर प्रयत्नशील अपने इस विकास पुरूष को अचानक 1 जुलाई 1999 को अपने बीच न पाकर पूर्वांचल स्तब्ध रह गया।

संस्थान गीत

अति पुनीत गोमती के तट पर, है सुरम्य संस्थान हमारा।
वीणावादिनी का यह मन्दिर, विविध विधाओं का गुरूद्वार।।
युग-युग के आलोक रत्न को, कंजूषा में संचित कर के।
मानवता के सिद्ध सदन में, जनमानस का पूरनहारा।।
अवध क्षेत्र का यह जन गौरव, श्री केदार का अमित साधना।
जनगण का मंगल मन्दिर यह, उनके श्रम रवि का उजियारा।।
नवयुग की नव ज्ञान-ज्योति से करत, कण-कण को आलोकित।
देता नवल विहान देश की, संस्कृतियों का पालनहारा।।
सत्य-समन्वय-देशभक्ति हित, हमने यह संकल्प लिया है।
रचे विश्वमंगल विधान इस, संस्थान की पावन धारा।।
रघुकुल की पावन धरती की, ज्ञान-रश्मि आलेकित होकर।
बने ज्योति-पथ मानवता का, मिटे जगतभर का अँधियारा।।

प्रबन्धक की कलम से...

विनोद सिंह
प्रबन्धक
केएनआईपीएसएस, सुलतानपुर
पूर्व राज्य मंत्री
पर्यटन, उत्तर प्रदेश शासन

कमला नेहरू भौतिक एवं सामाजिक विज्ञान संस्थान, सुल्तानपुर प्रदेश के पूर्वांचल के उन उच्च शिक्षण संस्थाओं में से एक है जिसने तमाम भौतिक दबावों की परवाह न करते हुए अपनी गुणवत्ता और मूल्यपरकता से कभी भी समझौता नहीं किया। संस्थान ने यह सम्बल, अपने दूरदर्शी संस्थापक बाबू केदारनाथ सिंह जी के संकल्पों से ग्रहण किया। कमला नेहरू संस्थान की स्थापना का उद्देश्य अनुशासन की परिधि में रहते हुए पूर्वांचल की धरती की युवा पीढ़ी को नई दिशा देना है। उन्हें स्वावलम्बी बनाकर राष्ट्रीय विकास की मुख्य धारा से जोड़ना है।

बदलते हुए समय के साथ ही साथ युग की माँग में भी परिवर्तन आया है। पारम्परिक शिक्षा व्यवस्था अपना मूल्य खोती जा रही है। उच्च शिक्षण संस्थानों से यह माँग की जा रही है कि वे ऐसे वैश्विक मानव उत्पाद तैयार करें जो समकालीन चुनौतियों से सक्षमतापूर्वक निपटने में माहिर हो। उनकी दृष्टि वैश्विक हो और वे अपने सय और समाज को प्रतिनिधित्व दे। कमला नेहरू भौतिक एवम् सामाजिक विज्ञान संस्थान ने समय की माँग को दृष्टिगत करते हुए अपनी आधारभूत संरचना, कौशल और दृष्टि में व्यापक बदलाव किया है। इस बदलाव में अभिभावकों, छात्रों और छात्राओं को अपनी मानसिक संरचना भी बदलनी होगी तभी अपेक्षित उपलब्धियाँ प्राप्त की जा सकती है।

विश्वविद्यालयीय और महाविद्यालयीय शोधों की गिरती हुई साख राष्ट्रीय स्तर पर चिन्ता का विषय है। उच्च शिक्षण संस्थानों द्वारा किए गये शोध समाज और राष्ट्र के उन्न्यन में अपनी भूमिका का निर्वाह नहीं कर पा रहा हैं। संस्थान अपनी सीमित क्षमताओं का अधिकांश शोध गुणवत्ता हेतु आधारभूत संरचना तैयार करने में लगा हुआ है। हमारी आशा है कि विद्वान निर्देशक गुणवत्तापरक शोध करने करवाने में अपनी क्षमता का बेहतर उपयोग करेगें और संस्थान को गरिमामण्डित करेगें।

संस्थान प्रबन्ध युवाओं को रोजगारपरक शिक्षा मुहैय्या कराने को लेकर चिन्तत रहा है। इस चिन्ताधारा से ही, आज जितने भी प्रासंगिक पाठ्यक्रम हो सकते हैं, संचालित किए जा रहे हैं। विश्वद्यिालय अनुदान आयोग के सहयोग से कई तरह के डिप्लोमा पाठ्यक्रम, जो प्रबन्धन, विधि, बी. एड., बी.पी.एड. इंजीनियरिंग के अतिरिक्त हैं, संचालित किये जा रहे हैं। खेद का विषय है कि स्नातक स्तर के छात्रों और उनके अभिभावकों का ध्यान इधर कम आकृष्ट हो रहा है, जबकि ये सर्वाधिक रोजगारपरक पाठ्यक्रम हैं। संस्थान प्रबन्धन ने अपने प्रभाव और क्षमता से कैम्पस सेलेक्शन भी कराए हैं जिससे छात्र/छात्राओं को रोजगार मिला है, पर अभी इस ओर काफी कुछ किया जाना शेष है।

सूचना प्रौद्योगिकी और सूचना के अधिकार वाले युग में पारदर्शिता बनाए रखने हेतु सूचनाओं का संप्रेषण जरूरी उपादान है। प्रवेश विवरणिका, प्राथमिक सूचना संप्रेषण का जरिया है।

संस्थान के नवीन शैक्षिक कालखण्ड में हम अपने प्राचार्य, शिक्षक समुदाय और गैर शिक्षण कर्मियों का अभिनन्दन करते हुए आशा करते हैं कि नवीन सत्र, नवीन उद्देश्यों, नवीन उपलब्धियों का सत्र होगा। हमें, अपने उद्देश्य स्वयं तय करने होगें और उन्हें पाने में अपनी सर्वोच्च ऊर्जा भी लगानी होगी।

Vinod Singh

(विनोद सिंह)

प्राचार्य डेस्क से

कमला नेहरू भौतिक एवं सामाजिक विज्ञान संस्थान, सुल्तानपुर डॉ राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय फैजाबाद से सम्बद्ध से सम्बद्ध, पूर्वांचल के उन अग्रणी उच्च शिक्षा संस्थानों में से एक है, जिसने पिछले चालीस वर्षो से अपनी अनवरत सेवाएँ प्रदान करते हुए समाज और राष्ट्र की सेवा की है।

मूल्यों से समझौता करने वाले इस कालखण्ड में संस्थान ने अपनी मूल्यवक्ता और गुणतत्ता से कभी भी समझौता नहीं किया। संस्थान ने गतिशील राष्ट्र-राज्य की अपेक्षाओं के अनुरूप नए मूल्यों के सृजन में अपनी साहसपूर्ण उपस्थिति दर्ज कराई है। हमारा स्पष्ट मंतव्य है कि शिक्षा की चरम उपलब्धियों को, अनुशासन के अभाव में, हासिल नहीं किया जा सकता। अनुशासन को स्थिरता प्रदान करते हुए हमने अपने पूज्य संस्थापक बाबू केदारनाथ सिंह जी के सपनों को याथार्थ रूप देने मे अपनी ऊर्जा व्यय की है।

उच्च शिक्षा का क्षेत्र, आज गंभीरचुनौतियों से जूझ रहा है। सूचनाओं का संजाल तो उपलब्ध है परन्तु उसके विश्लेषण मर्म को समझने और समझाने वाले कम होते जा रहे हैं। शासन भी इस महत्वपूर्ण अंग हो निजी क्षेत्र के हाथों सौंपकर निश्चित होता जा रहा है। संस्थान ने अपने स्तर पर इस चुनौती को स्वीकार करते हुए विषय विशेषज्ञ प्राध्यापकों की टीम विकसित की है जिसने अपने छा-छात्राओं की जिज्ञासाओं की सफलापूर्वक शमन किया है। राष्ट्र के प्रतिष्ठित विद्वानों को आमंत्रित कर हमने अपने अध्यापन शैली और वस्तु विन्यास को निरन्तर परिष्कृत किया है। सूचना की उपलब्धता सुनिश्चित करते हुए, संस्थान ने अत्याधुनिक उपकरणों से अपने को लैश किया है।

परम्परागत पाठ्यक्रमों के अतिरिक्त हर संभव रोजगारपरक पाठ्यक्रम संस्थान द्वारा संचालित किया जा रहे हैं। संस्थान अपने शोधार्थियों को विभागीय पुस्तकालयों के अतिरिक्त समृद्ध प्रयोगशालाओं, अत्याधुनिक उपकरणों से सुसज्जित, किए हुए है।

प्रअन्धतंत्र की दूरदर्शिता और विषय विशेषज्ञ प्राध्यापकों के सम्मिलित प्रयासों से कमला नेहरू संस्थान आज उच्चशिक्षा क्षेत्र का विश्वस्तरीय ब्रांड है। यह विश्वस्तीरयता ही हमारी उपलब्धि और संतोष का कारण है। हम अभिभावाकों को विश्वास दिलाते है। कि उनके पाल्यों के शैक्षिक व्यक्तित्व को गढ़ने मे, समाज और राष्ट्र की आकांक्षाओं के अनुरूप ढालने में, संस्थान सक्षम और सफल सिद्ध होगा।

आइए! नीवन सत्र में, नवीन शिक्षा संस्कृति को एकीकृत प्रयासों से सृजित किया जाय। संस्थान आप का स्वागत करने को तत्पर है।

- डॉ. ए.के. श्रीवास्तव

संस्थान : एक परिचय

कमला नेहरू भौतिक एवं सामाजिक विज्ञान संस्थान का परिसर ऐतिहासिक नगर सुलतानपुर में गोमती की गोद में ऐसी जगह स्थित है जहाँ गोमती नदी अर्द्धचन्द्राकार होकर पूर्व दिशा की ओर मुड़ जाती है। संस्थान अपने संस्थापक श्री केदार नाथ सिंह (जिन्हें आमतौर पर सुलतानपुर जिले के बाशिन्दे आत्मीयता से बाबू साहब या मंत्री जी कहते हैं) के सपनों का साकार और जीवन्त सरस्वती मंदिर है। श्री केदार नाथ सिंह जी ने इसे पूर्वांचल की गरीबी, अज्ञानता और पिछड़ेपन को दूर करने के लिए कला एवं ज्ञान-विज्ञान के दीपक के रूप में प्रज्ज्वलित किया, जो संस्थान के रूप में जन-जन को आलोक दे रहा है।

सस्थान का नामकरण राष्ट्र को समर्पित एवं सेवानिष्ठ महिला श्रीमती कमला नेहरू, जिनका राष्ट्रीय स्वतंत्रता संग्राम से आत्मयाद एवं योगदान अप्रतिम है, की स्मृति में किया गया है। थोड़े दिनों बाद संस्थान अपनी संख्यात्मक एवं गुणात्मक प्रतिभा के विकास से शिक्षा-जगत का विशाल वट वृक्ष बन गया। इस विशाल वट वृक्ष की दो शाखायें-एक "कमला नेहरू भौतिक एवं सामाजिक विज्ञान संस्थान" तथा दूसरी "कमला नेहरू तकनीकी संस्थान" हो गयीं। एक ज्ञान विज्ञान एवं कला की त्रिवेणी है तो दूसरा विज्ञान के व्यावहारिक रूप तकनीकी शिक्षा का केन्द्र है। ये दोनों संस्थान आज प्रदेश एवं देश भर में अपनी स्वतंत्र छवि और उपलब्धियों के लिये विख्यात है।

स्नातक स्तर पर चार संकायों-कला, विज्ञान, शिक्षा और विधि के भवनों का शिलान्यास 18 नवम्बर, 1972 को संस्थापक द्वारा किया गया एवं राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी की जन्म तिथि 2 अक्टूबर 1973 को उपरोक्त संकायों में पठन-पाठन प्रारम्भ हुआ। इसके उपरान्त मात्र छः वर्षो की अवधि में ही यह संस्थान वाणिज्य संकाय, परास्नातक विषयों की शिक्षा एवं अनुसंधान के प्रमुख केन्द्र के रूप में अग्रसर हुआ। विकास की यह गति यहां की गुणात्मक शिक्षा का उदाहरण भी कही जा सकती है। इस संस्थान में दस हजार से भी अधिक छात्र-छात्रायें अध्यनरत हैं। सम्प्रति एम.काम., एम.एड., एम.एस.-सी. (जन्तु विज्ञान, रसायन विज्ञान, भौतिक विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, गणित, पर्यावरण विज्ञान एवं माइक्रोबायलोजी, चाइल्ड डेवलपमेंट, फूड एण्ड न्यूट्रिशन) एम.ए. (अंग्रेजी, अर्थशास्त्र, हिन्दी, राजनीति विज्ञान, भूगोल एवं मध्यकालीन इतिहास), बी.एस.-सी. गृह विज्ञान, बी.एस-सी कृषि विज्ञान, बी.पी.एड, एमबीए, बीबीए एवं बी.टेक में अध्यापन वैशिष्ट्य के लिए संस्थान देश विदेश में अपनी अच्छी पहचान बना चुका है। इसके अतिरिक्त संस्थान में देश के भावी शिक्षकों को प्रशिक्षित करने हेतु बी.एड. एवं एम.एड. की कक्षायें भी संचालित हैं।

पूर्वांचल का यह विशाल संस्थान कमला नेहरू मेमोरियल ट्रस्ट के संरक्षण एवं प्रबंधचारूता से संचालित है। ट्रस्ट का प्रमुख उद्देश्य क्षेत्र का बहुमुखी विकास एवं उन्नयन करना है। संस्थान के संस्थापक एवं ट्रस्ट के जनक माननीय श्री केदार नाथ सिंह जी ने यह अनुभव किया कि कला-विज्ञान एवं तकनीकी शिक्षा के साथ-साथ यदि कृषकों की आर्थिक स्थिति में भी सुधार लाया जा सके तो सच्चे अर्थों में उपलब्धि होगी। इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु ही भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा संचालित 'कमला नेहरू कृषि विज्ञान केन्द्र' खोला गया। यह केन्द्र कृषकों और कृषि विशेषज्ञों को परस्पर नजदीक लाकर कृषि की उन्नति में सहयोग दे रहा है। कृषि प्रधान देश के इस क्षेत्र के लिए इसकी सेवायें महत्वपूर्ण हैं। समाज एवं देश के भविष्य को देखते हुए बाबू साहब ने बच्चों व बालिकाओं की शिक्षा को प्रोत्साहन देने के लिए 'कमला नेहरू बाल शिक्षा संस्थान' (के.एन.आई.सी.ई.) की स्थापना की जो आज पूर्वांचल के सर्वोत्तम संस्थाओं में एक है। 'राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद' द्वारा दिनांक 23-25 मार्च, 2007 को संस्थान का मूल्यांकन हुआ और मूल्यांकन के पश्चात 73.84% अंक प्राप्त कर बी-ग्रेड प्राप्त किया। संस्थान में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली द्वारा पोषित महात्मा गाँधी एवं डा. भीमराव अम्बेडकर अध्ययन केन्द्र की स्थापना सन् 2010 में की गई।

संस्थान, प्राचार्य कक्ष, केन्द्रीय पुस्तकालय एवं समस्त व्याख्यान कक्षों को आधुनिक सूचना प्रौद्योगिकी के साधनों से सुसज्जित कर उन्नयन की दिशा में अग्रसर है।

लक्ष्य अभिविन्यास

दृष्टिकोण एवं मिशन

संस्थान ने आर्थिक स्वतंत्रता प्राप्ति का उद्देश्य अपनाया है। यह उद्देश्य संस्थान के आस-पास स्थित वृहद् मानव समुदाय को उच्च शिक्षा प्रदान कर व उनकी आन्तरिक क्षमताओं के विकास तथा सदुपयोग द्वारा देश के सामाजिक-आर्थिक पहलुओं को प्राप्त हुई गति से ही प्रतिबिम्बित होता है। संस्थान विविध शैक्षिक कार्यक्रम संचालित करता है, ताकि विद्यार्थियों की शैक्षिक आवश्यकताओं की पूर्ति हो सके, वे विशेषज्ञ बन सकें। यह संस्थान सम्पूर्ण उच्च शिक्षा प्रणाली के विकास, विशेष रूप से विद्यार्थियों के चहुँमुखी विकास तथा सामान्य रूप से देश के नव निर्माण का वृहद् लक्ष्य लेकर चल रहा है।

संस्थान के मिशन की पूर्ति के लिए अधोलिखित लक्ष्य निर्धारित किये गये है-

- संस्थान के अन्तः अनुशासनात्मक अध्ययन सहित श्रेष्ठ शिक्षा प्रदान करने वाले, सर्जनात्मक शिक्षण संस्थान के रूप में परिणत करना।
- अन्तः अनुशासनात्मक अध्ययन के लिए अपेक्षित विभाग स्थापित करना।
- विविध शैक्षिक कार्यक्रम प्रस्तुत करना एवं उनका कार्यान्वयन करना।
- कुशल जनशक्ति का विकास करना।
- व्यवसायपरक शिक्षा के अवसर प्रदान करना।
- साधन के स्रोत उत्पन्न कर उनके माध्यम से पर्याप्त संरचनात्मक ढाँचा निर्मित करना।
- जनपद के नगरीय एवं ग्रामीण लोगों के बीच 'सूचना प्रौद्योगिकी सेतु' का निर्माण कर अन्तराल को दूर करना।

भावी योजनाएं

संस्था के 'बोर्ड ऑफ गवर्नर्स' के प्रस्ताव दिनांक 31 जनवरी 2007 के द्वारा संस्थान को स्वायत्त संस्थान बनाये जाने का निर्णय लिया जा चुका है। तत्सम्बन्ध में अग्रेतर कार्यवाही डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद से सम्पर्क कर सम्पन्न की जा रही है। अल्पावधि में ही संस्थान को राष्ट्र शीर्षस्थ एवं महान व्यक्तियों का मार्गदर्शन एवं आशीर्वाद प्राप्त होता रहा है। जिनमें भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति महामहिम फखरूद्दीन अली अहमद, उत्तर प्रदेश के तत्कालीन राज्यपाल एवं कुलाधिपति महामहिम डा. एम. चेन्नारेड्डी, उत्तर प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री माननीय नारायण दत्त तिवारी, भारत सरकार के तत्कालीन शिक्षा मंत्री प्रो. नूरूल हसन, उत्तर प्रदेश सरकार के तत्कालीन शिक्षा मंत्री श्री अम्मार रिज़वी आदि के साथ-साथ भारत की तत्कालीन प्रधानमंत्री माननीया श्रीमती इंदिरा गाँधी आदि से जुड़ी हुई मार्मिक स्मृतियाँ अविस्मरणीय है।

संस्थान में अध्ययन हेतु उपलब्ध पाठ्यक्रम

कला संकाय

बी.ए.

1. हिन्दी
2. अंग्रेजी
3. संस्कृत
4. मध्यकालीन
5. भूगोल
6. राजनीति शास्त्र
7. अर्थशास्त्र
8. समाजशास्त्र
9. शिक्षाशास्त्र (स्ववित्तपोषित)
10. उर्दू (स्ववित्तपोषित)
11. मनोविज्ञान (स्ववित्तपोषित)

एम. ए.

1. हिन्दी
2. अंग्रेजी
3. अर्थशास्त्र
4. भूगोल (स्ववित्तपोषित)
5. राजनीति शास्त्र (स्ववित्तपोषित)
6. मध्यकालीन इतिहास (स्ववित्तपोषित)

विज्ञान संकाय

बी.एस-सी.

1. भौतिक विज्ञान
2. रसायन विज्ञान
3. गणित
4. वनस्पति विज्ञान
5. प्राणि विज्ञान
6. इलेक्ट्रानिक्स (स्ववित्तपोषित)
7. पर्यावरण विज्ञान (स्ववित्तपोषित)
8. माइक्रोबायोलोजी (स्ववित्तपोषित)

एम.एस-सी.

1. रसायन विज्ञान
2. प्राणि विज्ञान
3. भौतिक विज्ञान (स्ववित्तपोषित)
4. गणित (स्ववित्तपोषित)
5. वनस्पति विज्ञान (स्ववित्तपोषित)
6. पर्यावरण विज्ञान (स्ववित्तपोषित)
7. माइक्रोबायलोजी (स्ववित्तपोषित)

गृह विज्ञान संकाय **बी.एस-सी.** 1. गृह विज्ञान (स्ववित्तपोषित)

एम.एस.-सी 1. चाइल्ड डेवलपमेन्ट (स्ववित्तपोषित) 2. फूड एण्ड न्यूट्रिशन (स्ववित्तपोषित)

कृषि संकाय **बी.एस.सी.** कृषि (स्ववित्तपोषित)

वाणिज्य संकाय **बी.कॉम., एम.कॉम**

विधि संकाय **एल.एल.-बी. त्रिवर्षीय,**

कमला नेहरू विधि संस्थान द्वारा संचालित- **एल.एल-बी. पंचवर्षीय (स्ववित्तपोषित)**

संस्थान में अध्ययन हेतु उपलब्ध पाठ्यक्रम

शिक्षा संकाय	**बी.एड., एम.एड.**
शारीरिक शिक्षा संकाय	**बी.पी.एड.** (स्ववित्तपोषित)
प्रबन्ध संकाय	**बी.बी.ए.** प्रबन्धन स्नातक (स्ववित्तपोषित) **एम.बी.ए.** प्रबन्धन स्नातकोत्तर (स्ववित्तपोषित)
प्रौद्योगिक एवं तकनीकी संकाय	**बी.टेक** इलेक्ट्रॉनिक्स एण्ड कम्युनिकेशन, कम्प्यूटर साइन्स, सिविल इंजीनियरिंग इन्फॉरमेशन टेक्नोलाजी, इलेक्ट्रिकल एण्ड इलेक्ट्रॉनिक्स **एम.सी.ए.**

नोट : एमबीए एवं बी.टेक में प्रवेश परीक्षा गौतम बुद्ध प्राविधिक विश्वविद्यालय, लखनऊ (उ.प्र.) द्वारा आयोजित होती है। प्रबन्धकीय कोटे में प्रवेश हेतु इच्छुक छात्र/छात्राएं संस्थान कार्यालय से सम्पर्क करें।

यू.जी.सी. द्वारा पोषित कैरियर ओरियेन्टेड डिप्लोमा पाठ्यक्रम

1. फैशन डिजाइनिंग
2. कम्प्यूटर ग्राफिक्स एण्ड ऐनीमेशन
3. सेल्स एण्ड मार्केटिंग मैनेजमेन्ट
4. रिस्क एण्ड इंश्योरेन्स मैनेजमेन्ट
5. टूरिज्म
6. सेरीकल्चर
7. इण्डस्ट्रियल कमेस्ट्री

पी-एच.डी.

कला, विज्ञान, शिक्षा, विधि एवं वाणिज्य संकाय के सभी स्नातकोत्तर विषयों में शोध हेतु सुविधा उपलब्ध है।

प्रवेश हेतु निर्देश

1. शिक्षा संकाय एवं शारीरिक शिक्षा में प्रवेश डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद द्वारा आयोजित प्रवेश परीक्षा के आधार पर होता है।
2. एमबीए एवं बी.टेक में प्रवेश गौतम बुद्ध प्राविधिक विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा आयोजित प्रवेश परीक्षा के आधार पर किया जाता है।
3. कमला नेहरू विधि संस्थान के विधि पंचवर्षीय पाठ्यक्रम में प्रवेश इण्टरमीडिएट में प्राप्त अंको की मेरिट के आधार पर संस्थान द्वारा किया जाता है।
4. सभी पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु सीट संख्या विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित है।

प्रवेश हेतु अनिवार्य अर्हता

1. स्नातकोत्तर स्तर पर प्रवेश हेतु अभ्यर्थियों को सम्बन्धित विषय में स्नातक स्तर पर त्रिवर्षीय पाठयक्रम उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।
2. स्नातकोत्तर अर्थशास्त्र पाठ्यक्रम में बी.काम. उत्तीर्ण छात्र का प्रवेश अनुमन्य है।
3. स्नातकोत्तर सूक्ष्म जीव विज्ञान (माइक्रोबाइलोजी) पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु अभ्यर्थियों को बी.एस-सी (जीव विज्ञान) की किसी भी शाखा से जिसमें जैव प्रौद्योगिकी/रसायन विज्ञान/जीव रसायन विज्ञान/सूक्ष्म जीव विज्ञान कम से कम 2 वर्ष अध्ययन किया हो, अर्ह होगें।
3. स्नातक स्तर पर प्रवेश हेतु वे ही छात्र/छात्रा अनुमन्य है जो इण्टरमीडिएट या समकक्ष परीक्षा 2010 अथवा उसके बाद उत्तीर्ण हों।

अनिवार्य शैक्षिक अर्हता निम्नवत् है -

बी.ए.	:	इण्टरमीडिएट या समकक्ष परीक्षा किसी भी वर्ग में उत्तीर्ण
बी.कॉम.	:	इण्टरमीडिएट या समकक्ष परीक्षा किसी भी वर्ग में उत्तीर्ण
बी.एस-सी. (बायो)	:	इण्टरमीडिएट या समकक्ष परीक्षा जीव विज्ञान वर्ग से उत्तीर्ण
बी.एस-सी (गणित)	:	इण्टरमीडिएट या समकक्ष परीक्षा गणित वर्ग से उत्तीर्ण
बी.एस-सी (गृह विज्ञान)	:	इण्टरमीडिएट या समकक्ष परीक्षा किसी भी वर्ग में उत्तीर्ण (केवल छात्राएं)
बी.एस-सी (कृषि)	:	इण्टरमीडिएट या समकक्ष परीक्षा किसी भी वर्ग में उत्तीर्ण
बी.बी.ए.	:	इण्टरमीडिएट या समकक्ष परीक्षा किसी भी वर्ग में उत्तीर्ण
विधि त्रिवर्षीय	:	स्नातक परीक्षा किसी भी वर्ग में उत्तीर्ण। सामान्य वर्ग 45% न्यूनतम अंक व पिछड़ी जाति, अनु.जाति एवं जनजाति के अभ्यर्थियों को 40% न्यूनतम अंक, आयु सामान्य वर्ग 30 वर्ष अधिकतम एवं अन्य को 5 वर्ष की छूट।
विधि पंचवर्षीय	:	इण्टरमीडिएट या समकक्ष परीक्षा किसी भी वर्ग में उत्तीर्ण सभी वर्ग हेतु 45% न्यूनतम अंक व सामान्य वर्ग हेतु आयु 20 वर्ष, पिछड़ी जाति एवं अनु.जाति/जनजाति के अभ्यर्थियों की आयु में 2 वर्ष की छूट।

विषय चयन

1. स्नातक स्तर पर सभी वर्गों के लिए 'पर्यावरण अध्ययन' एक अनिवार्य विषय के रूप में निर्धारित है। इसका प्राप्तांक श्रेणी निर्धारण में नहीं जोड़ा जाता परन्तु न्यूनतम उत्तीर्णांक प्राप्त करना अनिवार्य है।
2. वाणिज्य संकाय, कृषि संकाय एवं गृह विज्ञान संकाय में सभी प्रश्नपत्र अनिवार्य है विशेष अध्ययन का चयन पृथक से द्वितीय या तृतीय वर्ष में किया जाता है।
3. विज्ञान संकाय के लिए निम्नलिखित विषय समूह अनुमन्य है -
   - गणित, भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान
   - गणित, भौतिक विज्ञान, इलेक्ट्रॉनिक्स
   - वनस्पति विज्ञान, प्राणि विज्ञान, रसायन विज्ञान
   - वनस्पति विज्ञान, रसायन विज्ञान, माइक्रोबायोलोजी
   - वनस्पति विज्ञान, प्राणि विज्ञान, माइक्रोबायोलोजी
   - वनस्पति विज्ञान, प्राणि विज्ञान, पर्यावरण विज्ञान
   - वनस्पति/प्राणि विज्ञान, पर्यावरण विज्ञान, रसायन विज्ञान
   - प्राणि विज्ञान, माइक्रोबायोलोजी, रसायन विज्ञान
4. कला संकाय के समस्त विषयों को विश्वविद्यालय ने निम्नलिखित तीन समूहों में सूचीबद्ध किया है। अभ्यर्थी को निम्नलिखित समूहों में से किसी एक समूह से अधिकतम दो विषयों का ही चयन कर कुल तीन विषयों का चयन करना है -

   (अ) भूगोल, मनोविज्ञान

   (ब) हिन्दी, उर्दू, संस्कृत, अंग्रेजी

   (स) शिक्षाशास्त्र, समाजशास्त्र, राजनीतिशास्त्र, अर्थशास्त्र मध्यकालीन इतिहास
5. वे अभ्यर्थी भूगोल विषय ले सकते हैं जिन्होंने इण्टमीडिएट स्तर पर भूगोल पढ़ा हो।
6. स्नातक स्तर पर तीन विषयों का अध्ययन करते हुए कोई भी छात्र कैरियर ओरियेन्टेड डिप्लोमा पाठ्यक्रम के किसी एक पाठ्यक्रम में प्रवेश ले सकता है।

प्रवेश प्रक्रिया

1. संस्थान में प्रवेश, प्रवेश परीक्षा की मेरिट एवं अर्ह परीक्षा के अंक के आधार पर होगा। प्रवेश के लिए चयनित एवं नामित छात्र/छात्राओं की सूची कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर प्रदर्शित होगी। प्रवेशार्थी कार्यालय से सम्पर्क बनाये रखें।
2. विधि त्रिवर्षीय एवं पंचवर्षीय पाठ्यक्रम में प्रवेश मेरिट के आधार पर होगा।
3. विधिवत भरा हुआ आवेदन पत्र संस्थान कार्यालय में निर्धारित तिथि तक अवश्य जमा हो जाना चाहिए। आवेदन पत्र जमा करते समय रजिस्टर पर हस्ताक्षर करना आवश्यक है।
3. प्रवेश परीक्षा में सफल होने के पश्चात सम्बन्धित प्रवेश समिति से सम्पर्क कर साक्षात्कारोपरान्त अपनी प्रवेश स्लिप प्राप्त करें।
4. प्रवेश परीक्षा के आधार चयनित अभ्यर्थियों का प्रवेश निर्दिष्ट तिथि पर निम्नलिखित प्रपत्र प्रस्तुत करने पर ही सम्भव होगा -

   (क) उस संस्था का मूल चरित्र प्रमाण-पत्र एवं स्थानान्तरण प्रमाण-पत्र जहाँ से अन्तिम परीक्षा उत्तीर्ण किया है।

   (ख) सभी उत्तीर्ण परीक्षाओं के अंक पत्रों की छायाप्रति एवं सत्यापन हेतु मूल प्रति।

   (ग) छः महीने के अन्दर ली गई अभ्यर्थी की पासपोर्ट साइज रंगीन फोटो की तीन प्रतियाँ।

   (घ) सक्षम एवं अधिकृत अधिकारी द्वारा प्रदत्त जाति-प्रमाण-पत्र एवं आय प्रमाण-पत्र, जो छः माह के अन्दर का हो।

   (ङ) भारांक के आधार पर हुए प्रवेश के लिए भारांक का प्रमाण-पत्र की छायाप्रति एवं सत्यापन हेतु मूल प्रमाण-पत्र।
5. चयनित अभ्यर्थी निर्धारित समय के अन्दर शुल्क जमा कर दें। निर्धारित तिथि के अन्दर शुल्क न जमा करने पर मेरिट में क्रमशः अगले प्रवेशार्थी को प्रवेश दे दिया जायेगा और आपका प्रवेश स्वतः निरस्त हो जायेगा।
6. प्रवेश के पश्चात अनु.जाति/जनजाति/पिछड़ा वर्ग के छात्र/छात्राएं छात्रवृत्ति का फार्म पूरित कर जमा कर दें।
7. प्रत्येक विभाग/संकाय/विषय के लिए प्रवेश हेतु अन्तिम तिथि की घोषणा यथासमय की जायेगी। अन्तिम तिथि के बाद किसी भी दशा में प्रवेश सम्भव नहीं होगा।
8. प्राचार्य बिना कारण बताये किसी भी छात्र/छात्रा का प्रवेश किसी भी समय निरस्त कर सकते हैं, यह प्राचार्य का विवेकाधीन अधिकार है।
9. अनुत्तीर्ण छात्र/छात्रा अथवा अनुचित साधन प्रयोग करते हुए पकड़े गये छात्र/छात्रा का प्रवेश किसी भी दशा में नहीं किया जायेगा।
10. कक्षाओं में सीटों का आरक्षण उत्तर प्रदेश सरकार के नियमानुसार होगा।
11. परास्नातक कक्षाओं में प्रवेश उन्हीं विषयों में दिया जायेगा, जिनका अध्ययन स्नातक तृतीय वर्ष में किया गया हो अथवा वाँछित विषय में ब्रिज कोर्स किया हो, परन्तु बी.काम. उत्तीर्ण छात्र का प्रवेश एम.ए. अर्थशास्त्र में अनुमन्य है।
12. एम.ए./एम.एस-सी. में एक से अधिक विषय में प्रवेश के लिए अभ्यर्थी अलग-अलग आवेदन करें एवं अलग-अलग प्रवेश परीक्षा में बैठें।
13. बी.एड., एम.एड., बी.पी.एड. के अतिरिक्त शेष सभी कक्षाओं में विशेष परिस्थिति में प्रवेश की अन्तिम तिथि प्राचार्य द्वारा घोषित की जायेगी। डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद के परीक्षाफल घोषित होने के 15 दिन के अन्दर पूर्वार्द्ध एवं उत्तरार्द्ध के छात्र/छात्राओं को अगली कक्षा में प्रवेश लेना अनिवार्य है अन्यथा समझा जायेगा कि आप प्रवेश लेने के लिए इच्छुक नहीं है।

उपस्थिति एवं अनुशासन

1. संस्थान में चीफ प्राक्टर (मुख्य अनुशास्ता) के नेतृत्व में वरिष्ठ प्राध्यापक/प्राध्यापिकाओं का एक प्रॉक्टोरियल बोर्ड गठित है, जो संस्थान के सामान्य अनुशासक एवं व्यवस्था की जिम्मेदारी का निर्वाह करता है।
2. प्रत्येक छात्र/छात्रा से यह अपेक्षा की जाती है कि वह विश्वविद्यालय के नियमों-परिनियमों और संस्थान के आदेशों-निर्देशों का सम्यक् परिपालन करेगा।
3. छात्र/छात्रा अनुशास्ता मण्डल द्वारा समय-समय पर किये जाने वाले आकस्मिक एवं सामान्य निरीक्षण के समय सहयोग करें।
4. अनुशासन सम्बन्धी किसी भी प्रकार की समस्या आने पर अपने संकाय के प्रभारी अथवा चीफ प्रॉक्टर से यथाशीघ्र सम्पर्क करें।
5. प्रत्येक छात्र/छात्रा की विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित नियमों के अनुसार 75 प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य है, अन्यथा परीक्षा में सम्मिलित होने से वंचित कर दिया जायेगा।
6. संस्थान में लगातार 15 दिन या अधिक दिनों तक अनुपस्थित रहने पर प्राचार्य छात्र/छात्रा का प्रवेश निरस्त कर सकते हैं।
7. यदि कोई अभ्यर्थी गलत/भ्रामक अंक पत्र के आधार पर प्रवेश पा लेता है तो सही जानकारी के उपरान्त विधिक कार्यवाही के साथ उसका प्रवेश निरस्त कर दिया जायेगा।
8. प्रत्येक छात्र/छात्रा से कक्षा के अन्दर और संस्थान परिसर में अनुशासन बनाये रखने की अपेक्षा की जाती है। यदि कोई भी छात्र/छात्रा इसके प्रतिकूल आचरण करते पाया गया तो दण्डनीय होगा।
9. छात्र/छात्रा को जमानती धनराशि पाठ्यक्रम समाप्त होने पर या संस्थान छोड़ने पर वापस होगी। संस्थान छोड़ने के एक वर्ष के बाद जमानती धनराशि के सम्बन्ध में दावा समाप्त हो जाता है। जमानती धनराशि की वापसी के लिए संस्थान की प्रथम शुल्क रसीद के साथ परिचय पत्र प्रस्तुत करना होगा।
10. संस्थान में प्रवेश लेते ही अपना परिचय पत्र प्रॉक्टर कार्यालय से सम्पर्क कर तुरन्त बनवा लें और संस्थान परिसर में सदैव अपने साथ रखें। अपना परिचय पत्र किसी भी अन्य छात्र/छात्रा को न दें।
11. संस्थान में अध्ययनरत नियमित छात्राओं को निर्धारित गणवेश (यूनीफॉर्म) पहनना अनिवार्य है। निर्धारित गणवेश निम्न प्रकार है-

कुर्ता	-	स्काई ब्लू चेकदार	साड़ी	-	स्काई ब्लू प्लेन
सलवार एवं दुपट्टा	-	सफेद रंग	ब्लाउज	-	स्काई ब्लू प्लेन

12. संस्थान के बी.एड. छात्रों के लिए निर्धारित गणवेश सफेद शर्ट एवं सफेद पैन्ट है।
13. विधि त्रिवर्षीय एवं पंचवर्षीय पाठ्यक्रम हेतु गणवेश सफेद शर्ट, काली लाइनदार पैण्ट एवं छात्राओं हेतु सफेद सलवार, काला कुर्ता, सफेद दुपट्टा निर्धारित है।
14. छात्र/छात्राएं अपना वाहन स्टैण्ड पर ही रखें। संस्थान में इधर-उधर रखे वाहन को पुलिस के हवाले कर दिया जायेगा तथा सम्बन्धित छात्र/छात्रा को भी दण्डित किया जायेगा।
15. रैगिंग कानूनन एक दण्डनीय अपराध है। रैगिंग में संलिप्त पाये जाने पर छात्र/छात्रा के विरूद्ध एफ.आई.आर. दर्ज कर पुलिस के हवाले कर दिया जायेगा। छात्र/छात्राओं को इससे दूर रहने की सलाह दी जाती है। अनुशास्ता मण्डल के अन्तर्गत एण्टी रैगिंग समिति का गठन किया गया है जो समय-समय पर परिसर और कक्षाओं का आकस्मिक निरीक्षण करते हैं। अस्तु रैगिंग विरोधी अभियान एवं अनुशासन में सहयोग करें और रैगिंग की गतिविधियों से दूर रहें।

"संस्थान आपका है, इसकी मर्यादा और प्रतिष्ठा के आप भागीदार है"

संस्थान में उपलब्ध

1. कम्प्यूटर केन्द्र

संस्थान में एक अत्याधुनिक वातानुकूलित कम्प्यूटर प्रयोगशाला है जो कि इन्टरनेट युक्त है, जहाँ सभी संस्थागत छात्र/छात्राएं सुयोग्य शिक्षकों के निर्देशन में अद्यतन (अप-टू-डेट) पाठ्यक्रम पढ़ और सीख सकते हैं। कम्प्यूटर के अभाव में कोई भी शिक्षा अधूरी है।

2. केन्द्रीय पुस्तकालय

संस्थान के केन्द्रीय पुस्तकालय में विभिन्न विषयों की लगभग 1,00,000 पुस्तकें है। प्रवेश के उपरान्त प्रत्येक छात्र/छात्राएं अपना परिचय पत्र तथा प्रथम शुल्क रसीद प्रस्तुत कर पुस्तकालय कार्ड बनवा सकते हैं। प्रत्येक छात्र/छात्राएं 15 दिन के लिए दो पुस्तकें प्राप्त कर सकते हैं। 15 दिन के बाद 1 रू. की दर से अर्थदण्ड देय होगा।

3. डेलनेट 2007 (15 जून, 2007 से) की सुविधाएं

संस्थान राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्याययन परिषद द्वारा 23 से 25 मार्च 2007 को मूल्यांकित किया गया। मूल्यांकन में संस्थान ने 73.84 अंक प्राप्त कर **'बी' श्रेणी** अर्जित किया है जिसके फलस्वरूप नैक की संस्तुति के आधार पर संस्थान को डेलेन्ट (डेवलेपिंग) लाइब्रेरी नेटवर्क) प्रदान किया गया है। डेलनेट द्वारा 70 लाख पुस्तकें, शोध पत्रिकाएं एवं शोध पत्रिकाओं के लेख उपलब्ध कराये गये हैं। संस्थान का पुस्तकालय भारत और दूसरे छः विदेशी देशों के पुस्तकालयों से डेलनेट के द्वारा इण्टरनेट से जुड़ा है। यह सुविधा उन शिक्षकों एवं छात्र/छात्राओं को उपलब्ध है, जो केन्द्रीय पुस्तकालय की सदस्यता प्राप्त किये हैं। शोध छात्र/छात्रा सदस्यता प्राप्त कर उक्त सुविधा का लाभ प्राप्त कर सकते हैं। शिक्षकों एवं शोध छात्र/छात्राओं द्वारा विदेशी शोध पत्रिकाओं (जर्नल्स) में छपे हुए लेखों की छायाप्रति पुस्तकालयाध्यक्ष के माध्यम से सम्पूर्ण विवरण उपलब्ध कराने के पश्चात प्राप्त किया जा सकता है।

4. बुक बैंक

संस्थान में जरूरतमन्द एवं निर्धन छात्र/छात्राओं के लिए बुक बैंक है। जिसमें लगभग 27,000 पुस्तकें हैं। छात्र/छात्रा निर्धारित सदस्यता शुल्क जमा करके बुक बैंक से पुस्तकीय सहायता प्राप्त कर सकते हैं।

5. विभागीय पुस्तकालय

संस्थान के समस्त परास्नातक विभागों में विभागीय पुस्तकालय है। परास्नातक छात्र/छात्राएं इस सुविधा से अपने पाठ्यक्रम की प्रायः सभी पुस्तकें प्राप्त कर लाभ उठा सकते हैं।

6. अध्ययन कक्ष

पुस्तकालय के अध्ययन कक्ष में छात्र/छात्राएं खाली समय में समाचार पत्र-पत्रिकाएं, सन्दर्भ ग्रन्थ आदि पढ़ सकते हैं, परन्तु अध्ययन कक्ष छोड़ने के पूर्व अध्ययन सामग्री यथोचित रूप में वापस करना अनिवार्य है।

7. आर्थिक सहायता

संस्थान द्वारा निर्धन तथा प्रतिभाशाली छात्र/छात्राओं को विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश सरकार, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग एवं शिक्षा निदेशालय, उत्तर प्रदेश द्वारा प्रदत्त सहायता राशि, छात्रवृत्ति, शुल्कमुक्ति एवं ऋण आदि की सुविधा प्रदान की जाती है।

8. रेलवे रियायत

संस्थान के छात्र/छात्रा लम्बी छुट्टियों में अथवा ग्रीष्मावकाश में अपने मूल स्थान पर जाने के लिए अथवा रेलवे द्वारा विनिर्दिष्ट उद्देश्यों के लिए रेलवे रियायत पत्र द्वारा इस सुविधा का लाभ उठा सकते हैं। इसके लिए छात्र/छात्रा को यात्रा आरम्भ करने से तीन दिन पहले रेलवे रियायत के लिए संथान के छात्र कल्याण अधिकारी के द्वारा संस्तुत प्रार्थना पत्र देना होगा।

9. साइकिल/मोटर साइकिल स्टैण्ड

संस्थान में साइकिल/मोटर साइकिल स्टैण्ड की व्यवस्था है। जहाँ पर छात्र/छात्रा प्रवेश के समय शुल्क जमा करके अपनी साइकिल/मोटर साइकिल रखने की सुविधा प्राप्त कर सकेंगे।

10. क्रीड़ा परिषद

संस्थान शिक्षा के साथ-साथ छात्र/छात्राओं की क्रीड़ा जगत में प्रतिभागिता एवं उत्तरोत्तर विकास के लिए प्रतिबद्ध है। संस्थान के पास क्रीड़ा सम्बन्धी समस्त मूलभूत सुविधाएं एवं संसाधान हैं, जिनमें से एक विश्वविद्यालय स्तर का ज़िमनेजियम भी है। संस्थान में खेलकूद सम्बन्धी गतिविधियों का संचालन क्रीड़ा परिषद के माध्यम से छात्र/छात्राओं को सर्वांगीण विकास करने हेतु संस्थान में खेलकूद के आयोजन होते हैं। छात्र/छात्राओं को अर्न्तमहाविद्यालयीय, विश्वविद्यालयीय, राज्य स्तरीय एवं राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिभाग हेतु प्रोत्साहित किया जाता है। खिलाड़ियों को स्पोर्ट्स किट के साथ-साथ अन्य आवश्यक क्रीड़ा सामग्री भी उपलब्ध करायी जाती है। साथ ही उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र/छात्राओं को संस्थान द्वारा सम्मानित भी किया जाता है। संस्थान के छात्र/छात्रा प्रतिवर्ष बैडमिन्टन, हॉकी, फुटबॉल, एथलेटिक्स, कुश्ती, जूडो, वॉलीबाल, शूटिंग, टेबुल-टेनिस एवं क्रिकेट में उत्तरक्षेत्रीय एवं अखिल भारतीय विश्वविद्यालीय प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग करते हैं।

11. क्रीड़ा गतिविधियाँ

संस्थान की क्रीड़ा गतिविधियों का संचालन संस्थान खेल-कूद समिति के माध्यम से होता है। संसथान अच्छी टीमों अथवा खिलाड़ियों को महाविद्यालय स्तर से विश्वविद्यालय स्तर तक प्रतिभाग हेतु निरन्तर प्रेरित करता है जिन टीमों से भविष्य में अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद होती है उनके लिए प्रशिक्षण शिविर का आयोजन भी संस्थान द्वारा किया जाता रहा है। सत्र 2012-13 में संस्थान के 80 छात्रों ने महाविद्यालय स्तर पर एवं 21 छात्रों ने उत्तर क्षेत्र/अखिल भारतीय विश्वविद्यालय क्रीड़ा प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग किया।

डॉ. राम मनोहर लोहिया अथवा अवध विश्वविद्यालय अर्न्तमहाविद्यालयीय क्रीड़ा प्रतियोगिताओं की ठीक स्पर्धाओं में संस्थान की क्रिकट (पुरूष), फुटबाल (पुरूष) एवं शतरंज (म0/पु0) टीमें विजेता रहीं एवं हेण्डबाल टीम उपविजेता रही।

व्यक्तिगत स्पर्धाओं (एथेलटिक्स एवं शूटिंग) में ीाी संस्थान के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर संस्थान को गौरवन्नित किया है। अर्न्तमहाविद्यालयीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता में संस्थान के खिलाड़ियों ने तीन स्वर्ण, एक रजत एवं एक कास्य पदक जीता वहीं शूटिंग प्रतियोगिता में खिलाड़ियों के रामफल इवेन्टस में कास्य पदक जीत।

12. शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक क्रियाकलाप

शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक क्रियाकलापों का उद्देश्य छात्र/छात्राओं की साहित्यिक एवं सांस्कृतिक अभिरूचि का विकास करना है। वाद-विवाद, विचार गोष्ठी, परिसंबाद, नाटक, कविता लघु कहानी, प्रतिभा परीक्षण, प्रश्नोत्तरी, पुष्प विन्यास आदि प्रतियोगिताएं एवं अन्य क्रियाकलाप इसी उद्देश्य की पूर्ति के साधान हैं। संस्थान के छात्र/छात्राओं ने अन्तर्राष्ट्रीय सांस्कृतिक प्रतियोगिता में स्थान प्राप्त किया है।

13. स्मृति व्याख्यानमाला

संस्थान द्वारा अपने संस्थापक बाबू केदार नाथ सिंह जी की स्मृति में वर्ष 2000 से प्रतिवर्ष अतिथि व्याख्यानमाला का आयोजन किया जाता है। इसके साथ ही समय-समय पर अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का भी आयोजन किया जाता है। संस्थान के छात्र/छात्राएं इससे शैक्षिक एवं सांस्कृतिक रूप से ऊर्जावान होते रहते हैं।

14. गाइडेन्स एण्ड प्लेसमेन्ट ब्यूरो

The Guidance & Placement Bureau, KNIPSS, Sultanpur is organizing one day students seminar to develop abilities & skills of the students of KNIPSS, Sultanpur for the last 10 years under the able guidance of Dr. Prem Mohan, Convener, Guidance & Placement Cell, KNIPSS, Sultanpur . During the session 2011-12 several one day seminars have been organized by the cell. The resource persons from Delhi, Lucknow have been invited to deliver lecture in the area of communication skills & personality development. The UGC has recognized the activities of cell and issue a grant of Rs. 1.00 lac to develop the cell.

15. अध्ययन की आदत में सुधार

ब्यूरो द्वारा विशेषज्ञों की ऐसी सेवाएं छात्र/छात्राओं को उपलब्ध करायी जाती है कि वे अध्ययन करने की त्रुटिपूर्ण आदतों से छुटकारा पाकर दक्षता व कौशल देने वाली आदतें विकसित करें व अर्जित ज्ञान व शिक्षा को जीवनोपयोगी एवं स्थायी बन सकें। अनुसूचित जाति/जनजाति, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक वर्ग के छात्र छात्राओं को निःशुल्क रेमेडियल कोचिंग संस्थान द्वारा उपलब्ध कराया जाता है एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में नेट की कोचिंग की भी सुविधा निःशुल्क उपलब्ध है।

16. असाधारण/असामान्य विद्यार्थी सहायता

विशिष्ट समस्याओं वाले छात्र/छात्राओं को गाइडेन्स ब्यूरो उनकी आवश्यकता के अनुसार विषेश गाइडेन्स पैकेज प्रदान करता है। ऐसे छात्र/छात्रा कई प्रकार के हो सकते हैं जैसे अतिप्रतिभावान, मन्द बुद्धि, संवेग पीड़ित, विकलांग, सामाजिक, सांस्कृतिक रूप में भिन्न अथवा वंचित जैसे अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग व अल्पसंख्यक छात्र/छात्रा।

17. विषय चयन

छात्र/छात्राओं को भावी जीवन की योजनाओं व अपनी योग्यताओं की संगीत में उपयुक्त विषयों के चयन में आने वाली कठिनाईयों को दूर करने हेतु विशेषज्ञों द्वारा सहायता की जाती है।

18. निःशुल्क कोचिंग व्यवस्था

संस्थान में अल्पसंख्यक, अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/पिछड़ा वर्ग के छात्र/छात्राओं को रोजगार हेतु विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा अनुदानित निःशुल्क कोचिंग व्यवस्था की गयी है। परास्नातक स्तर पर उपरोक्त जाति/वर्ग के छात्र/छात्राओं हेतु विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा अनुदानित नेट कोचिंग की निःशुल्क सुविधा की भी व्यवस्था है।

19. डिप्लोमा पाठ्यक्रम

संस्थान में नियोजन उपादेयता तथा सामाजिक महत्ता को दृष्टि में रखते हुए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वार प्रदत्त डिप्लोमा पाठ्यक्रम का संचालन भी किया जा रहा है। जिसके लिए सुयोग्य अध्यापकों की नियुक्ति की गयी है और संसाधनों से परिपूर्ण प्रयोगशाला भी है। संस्थान छात्र/छात्राएं इन महत्वपूर्ण ऐच्छिक डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में से कोई एक पाठ्यक्रम स्नातक स्तर का पढ़ सकते हैं। इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए अलग से अभियोग्यता प्रवेश परीक्षा देनी होगी।

20. शोध सुविधा

संस्थान में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा कई शोध कार्य के प्रस्ताव स्वीकृत है और जिन पर कार्य हो रहा है। आई.सी.एस.एस.आर. द्वारा प्रायोजित शोध कार्य प्रगति पर है। इसके अतिरिक्त डी.एस.टी. तथा आई.सी.एस.एस.आर. के समक्ष अनेक प्रस्तावों का अनुमोदन प्रतीक्षित है। कला, वाणिज्य, विज्ञान, शिक्षा एवं विधि संकायों में शोध सुविधाएं उपलब्ध हैं। संस्थान के विभिन्न संकायों में अनेक सदस्यों के निर्देशन में अनेक शोधार्थी पी.एच.डी. की उपाधि अर्जित कर चुके हैं व अनेक प्रक्रिया में हैं। इसके अतिरिक्त यू.जी.सी. के मेजर एवं माइनर प्रोजेक्ट पर भी कार्य हो रहा है।

21. विशेष अध्ययन

संस्थान में स्नातकोत्तर स्तर पर सभी विषयों में एकाधिक विशेष अध्ययन उपलब्ध है। छात्र/छात्राएं अपनी रूचि के अनुसार चयन हेतु स्वतन्त्र हैं।

शुल्क सूची एवं अदायगी

डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, फैजाबद (उ0 प्र0) की अधिसूचना
पत्रांक : लो.वि/पी.ए.–648/2004 दिनांक 31.07.2004 के अनुसार

1. शुल्क दो किस्तों में जमा होगा। प्रथम किस्त प्रवेश के समय तथा दूसरी किस्त जनवरी माह में जमा करना होगा। निर्धारित तिथि पर शुल्क भुगतान न होने की दशा में प्रतिदिन एक रूपये की दर से अर्थदण्ड देय होगा।
2. उत्तर प्रदेश सरकार/डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद के निर्दशानुसार वर्ष में किसी भी समय शुल्क राशि में जो भी परिवर्तन होगा, वह देय होगा।
3. एक बार जमा शुल्क किसी भी दशा में वापस नहीं हो सकेगा।

शुल्क विवरण	स्नातक		परास्नातक	
शिक्षण शुल्क	132.00		180.00	
प्रवेश	5.00		5.00	
मंहगाई	42.00	वर्षिक	42.00	वर्षिक
उष्ण एवं शीत	72.00		72.00	
पंखा	5.00		5.00	
खेलकूद	35.00		35.00	
छात्र कल्याण निधि	36.00		36.00	
पुस्तकालय शुल्क	50.00		50.00	
नामांकन शुल्क	150.00		150.00	
विश्वविद्यालय परीक्षा शुल्क	570.00		720.00	
गृह परीक्षा शुल्क	50.00		50.00	
विश्वविद्यालय खेलकूद शुल्क	15.00		15.00	
विकास शुल्क	80.00		80.00	
पुस्तकालय जमा शुल्क	30.00	प्रतिवर्ष	30.00	प्रतिवर्ष
प्रयोगशाला जमा शुल्क	50.00	प्रतिवर्ष प्रति विषय	50.00	प्रतिवर्ष प्रति विषय
पत्रिका	30.00		30.00	
परिचय पत्र (साधारण)	15.00		15.00	
परिचय पत्र (कम्प्यूटराइज्ड)	25.00		25.00	
वाचनालय शुल्क	25.00		25.00	
पुस्तकालय कार्ड शुल्क	15.00		15.00	
स्थानान्तरण प्रमाण पत्र शुल्क	36.00		36.00	
प्रयोगशाला शुल्क	240.00	प्रतिवर्ष प्रति विषय	240.00	प्रतिवर्ष
साइकिल स्टैण्ड शुल्क	50.00		50.00	
सांस्कृतिक शुल्क	25.00		25.00	
इनफिलबनेट शुल्क	60.00		60.00	
सेमिनार शुल्क	------		50.00	
स्कूटर/बाइक शुल्क	50.00		50.00	
डिग्री शुल्क	250.00		250.00	

(स्ववित्तपोषित विषयों में समय-समय पर जारी शासनादेशों के अनुसार शिक्षण शुल्क देय होगा।) एम.एस-सी वनस्पति शास्त्र एवं एम.एम. भूगोल पाठ्यक्रमों में निर्धारित भ्रमण कार्य के लिए आवश्यक धनराशि को छात्र/छात्रा एवं संस्था पर सामान रूप से वितरित करने के पश्चात जो धनराशि होगी वह शुल्क के रूप में सम्बन्धित शुलक पटल पर यात्रा के 15 दिन पूर्व जमा करना आवश्यक होगा।

COMPUTER TRAINING PROGRAM

By

KNI Information Technology (KNIIT)

Capacity Building of UG and PG Students

Computer Institute is involved in training the college students in Computer Technology. Developing curriculum based educational programs for these students is also an activity of this Institute. The Institute provides computer education and awareness to students from Under Graduation to Post Graduation.

The Institute has a very well-equipped laboratory and excellent teaching environment. The Institute as a part-time activity also offers basic computer courses for working people which consists of Office Assistant Course and Web-site Development. The Institute is in operation since last 10 years and educated more than 10,000 people from different sections of society.

The UG and PG Students can have utilized their spare time from regular academic classes with computer education. KNI Information Technology have a flexible time table with their regular schedule for those students who have willing to learn about computer and wants to make career as Computer Professional.

In accordance with the resolutions of Board of Governors of KNIPSS date 29.03.2007, the student willing to take admission in the first year of B.Com., B.Sc.(Bio /Math /Ag. /Home Science), M.Sc. (Chemistry/Zoology/Physics/Math/Botany), M.A. (English / Economics / Geograhpy), M.Com., B.Ed. & Law 3 years & 5 years Ist and IInd Sem. will have to take admission in one year Diploma in Computer Application Course compulsory for their admission.

FEE STRUCTURE

The fee for diploma course shall be deposited in two installment of which each of Rs. 780/- at the time of admission and second installment in the month of January.

In this regards, KNI Information Technology (KNIIT) Computer education have tailor made program for various courses such as :

COURSE (Diploma in Computer Application I-II-III) :

I Year:

Foundation with Programming in C++

1. Computer Overview
2. Concept of Operating System
   - MS DOS
   - Windows95/98/2000/NT
   - LINUX

II Year:

Application Development with SQL & Visual Basic

1. Computer Networking
2. Database concepts using SQL
3. Database Manipulation by SQL
4. Programming With Visual Basic (Form, MDI, Menu, Data Base)

3. MS Office
   - Ms-Word (Word Processor)
   - Ms-Excel (Electronic Spreadsheet)
   - Power Point (Presentation Tool)
4. Programming Logic & Techniques using C++
5. OOPS with C++
6. Project in C++
7. Presentation / Documentation of Project / Intro to Internet / Seminar

5. Project on Visual Basic
6. Presentation/ Documentation of Project

SHORT TERM COURSES

DTP (Desktop Publishing) : 6 Months
Computerized Accounting (TALLY): 2 Months
Certificate in H/W& Networking : 3 Months
Others :
Languages Courses, FoxPro, Fortran, Cobol, C, C++, Visual Basic, Java etc.

III Year:

Web Designing with Advanced JAVA Programming

1. Internet
2. HTML
3. Java Scripting
4. Animation with GIF
5. Web Page Editing with Front Page
6. Project on Web Designing
7. Presentation / Seminar on Web Site
8. Fundamental of JAVA
9. OOPS with JAVA
10. GUI with JAVA by AWT, SWING, Applet.
11. JAVA Utilities
12. JAVA Data Base Connectivity (JDBC)
13. JAVA on NETWORK
14. JAVA with Remote Machine Invocation (RMI)
15. JAVA Project
16. Presentation/ Documentation of Project

"After successful completion of course we are providing a certificate to student as per performance during the training program."

Examination & Evaluation Scheme

Exam	Module Test	Assignment	Total
Module 1	30	20	50
Module 2	30	20	50
Module 3	30	20	50
Project	--	--	50
Final Exam	--	--	100
		TOTAL	**300**

Grading Scheme

Percentage >= 80	Grade - A
Percentage >= 60	Grade - B
Percentage >= 40	Grade - C
Percentage < 40	Grade - D

Infrastructure:

Total No. of Computers and Terminals:	• 50 Nos. Specification:- Dual Core 3.0 Ghzt. With 2 GB RAM Multimedia/ Network Support) 250 GB HDD DVD R/W, TFT Monitor / Opt. Mouse/ Keyboard.
Total No. of Printers:	• 04 (LaserJet/ Deskjet/DotMatrix)
Software's:	• Window7/XP,2003Server, Linux, • MSOffice2007, C++, JAVA, Oracle, SQL, Visual Studio 2005
Environment	• Internet • LAN (Local Area Network) • Multimedia
Power Support:	• Electricity POWER Supply 35 KVA • Generator Support 40 KVA • 3 Nos. 5 KVA Online UPS
Class Room :	• Audio Video Equipped with LCD Projector / Computer System

Facilities :

- ✓ सूचनाओं का सागर – इंटरनेट की निःशुल्क व्यवस्था की गयी है।
- ✓ डी०सी०ए० प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के छात्र/छात्राओं को निःशुल्क पुस्तकों का वितरण।
- ✓ निःशुल्क मल्टीमीडिया, कम्प्यूटर बेस टयूटोरियल तथा सी०डी० राइटिंग की सुविधा।
- ✓ डी०सी०ए० प्रथम,द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के छात्रों को रजिस्ट्रेशन व परिचय पत्र की निःशुल्क सुविधा।
- ✓ अत्याधुनिक टेक्नोलाजी एल०सी०डी० द्वारा सेमीनार कराने की व्यवस्था
- ✓ विश्वविद्यालय के वर्शिक परीक्षा के उपरान्त गर्मियों में भी नियमित कक्षाओं की व्यवस्था।
- ✓ विभिन्न क्षेत्रों मे कैरियर सम्बंधित उचित मार्ग दर्शन ।

- ✓ कम्प्यूटर एकाउन्टिंग, हार्डवेयर, डी0टी0पी0, डेटाबेस से सम्बन्धित कोंसेज की व्यवस्था।
- ✓ विभिन्न संकायों में पाठयक्रम के अनुसार कम्प्यूटर विशय के अध्ययन की अतिरिक्त व्यवस्था की गयी है।
- ✓ बी0एस0सी0 होम साइन्स व एम0एस0सी0 के छात्र/छात्राओं हेतु फाक्सप्रो व फोट्रान भाशा का प्रशिक्षण।
- ✓ कम्प्यूटर लैब में प्रैक्टिकल व क्लासेज के लिए अतिरिक्त समय प्रदान करने की सुविधा।
- ✓ सम्बन्धित कार्यक्रम के पूर्ण होने के उपरान्त प्रमाण–पत्र प्रदान किये जाते है।

Imp. Notes:

- ✓ Students may download or take printout of Online Form, Competitive Exam or Applying for JOB free of cost. Any Community/Social Network or Objectionable Websites are strictly prohibited and punished.
- ✓ If a student does not appear in main examination of the session, he/she can apply next year for the exam with re-examination fee.
- ✓ Student must be maintained their ID card till the certification of program. If anyone lost the card he/she can re-issue this with nominal fee.
- ✓ No Complain will attend in absence of ID Card.✓ Training Timing will be changed as per Student's requirement.
- ✓ Student should be in touched with Computer Center for Examination / Academic Activities.

Teaching and Training Staff

Sn.	Name	Designation	Qualification
1.	Mr. Basant K. Vishwakarma	Head of Comp. Dept.	M.Tech IT /MCA
2.	Mr. Mridul Rastogi	Sr. Lecturer	B.Sc. CS / B Level
3.	Mrs. Indu Srivastava	Sr. Lecturer	MA/ MCA
4.	Ms. Archana Signh	St. Lecturer	MA/B.Ed./PGDCA
5.	Mr. Azad Ahmad	Lecturer	MA/PGDCA
6.	Ms. Tripta Soni	Lecturer	MA/PGDCA
7.	Ms. Ritu Srivastava	Instructor	M.Com/ DCA III
8.	Ms. Anchal Kanodia	Instructor	M.Com/PGDCA

CONTACT AT : COMPUTER CENTRE AT KVK CAMPUS
SULTANPUR U.P.228118
Tel. 05362-241733-9452051101
Email- kniitsln@gmail.com, Visit us at www.knmt.org.in

गौरवशाली 10 वर्ष
सबको शिक्षा, सबको ज्ञान

UTTAR PRADESH RAJARSHI TONDON OPEN UNIVERSITY

Shantipuram (Sector-F), Phaphamau, Allahabad (UP) - 211 013
Tel : 0532-2447028 FAX : 0532-2447032

UNIVERSITY OVERVIEW

The University shall endeavor through education, research, training and extension to play a positive role in the development of the state, and, based on the rich heritage of the state, to promote and advance culture of the people of India and its human resource and towards this end, it shall...

- Provide access to higher education for large segment of the population, and in particular, the disadvantaged groups such as those living in remote and rural areas including working people, house-wives and other adults who wish to upgrade or acquire knowledge through studies in various fields.
- Promote acquisition of knowledge in a rapidly developing and changing society and continually offer opportunity for upgrading knowledge, training and skills in the context of innovation, research and discovery in all fields of human endeavors.
- Provide an innovative system of university level education, flexible and open, in regard to methods and pace of learning, combination of courses, eligibility for enrolment, age of entry, conduct of examination and operation of programmes with a view to promote learning and encourage excellence in new fields of knowledge.
- Contribute to the improvement of the educational system by providing a non formal channel complementary to the formal system, by encouraging transfer of credits and exchange of teaching staff and by making wide use of texts and other software developed by the University.
- Provide education and training in various arts, crafts and skills of the country in general and the state in particular and simultaneously insure raising their quality and improving their availability to the people.
- Provide or arrange training of teachers required for such activities or institutions.
- Provide suitable Post-Gradute courses of study and promote research.

COURSES OFFERS

1.	CCC (Certificate in Computer Course)	Six Months
2.	PGDCA (Post Graduate Diploma in Computer Application)	1 Years
3.	BCA (Bachelor of Computer Application)	3 Years
4.	MCA (Master of Computer Application)	3 Year
5.	DHEN (Diploma in Health Education and Nutrition)	Six Months
6.	CCY (Certificate Course in Yoga)	Six Months
7.	CHR (Certificate in Human Right)	Six Months
		& more...

UPRTOU Study Centre Code S-132

Kamla Nehru Institute of Physical and Social Science, Sultanpur (UP)

Visit Us at www.knmt.org.in e-mail kniitsln@gmail.com

Tel. 05362-241733 Mob.: 9452051101

ALL CORSES ARE APPROVED BY AICTE, DEC & UGC

क्रम-संo 108

रजिस्ट्रेशन नम्बर-एस0एस0पी0/एल0-डब्लू0/एन0पी0-91/2008-10
लाइसेन्स टू पोस्ट ऐट कन्शेशनल रेट

सरकारी गजट, उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेशीय सरकार द्वारा प्रकाशित

असाधारण

विधायी परिशिष्ट

भाग-1, खण्ड (क)
(उत्तर प्रदेश अधिनियम)

लखनऊ, शुक्रवार, 19 मार्च, 2010
फाल्गुन 28, 1931 शक सम्वत्

उत्तर प्रदेश सरकार
विधायी अनुभाग-1

संख्या 400/78-वि-1-10-1 (क)-11-2010
लखनऊ, 19 मार्च, 2010

अधिसूचना

विधि

"भारत के संविधान" के अनुच्छेद 200 के अधीन राज्यपाल महोदय ने उत्तर प्रदेश शैक्षणिक संस्थाओं में रैगिंग का प्रतिषेध विधेयक, 2010 पर दिनांक 18 मार्च, 2010 को अनुमति प्रदान की और यह उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या 14 सन 2010 के रूप में सर्वसाधारण को सूचनार्थ इस अधिसूचना द्वारा प्रकाशित किया जाता है।

उत्तर प्रदेश शैक्षणिक संस्थाओं में रैगिंग का प्रतिषेध अधिनियम, 2010
(उत्तर प्रदेश शैक्षणिक अधिनियम संख्या 14, सन 2010)
(जैसा उत्तर प्रदेश विधान मण्डल द्वारा पारित हुआ)

शैक्षणिक संस्थाओं में रैगिंग का प्रतिषेध करने और उससे सम्बन्धित एवं आनुषंगिक विषयों की व्यवस्था करने के लिए अधिनियम

भारत गणराज्य के इकसठवें वर्ष में निम्नलिखित अधिनियम बनाया जाता है। :-

1-यह अधिनियम उत्तर प्रदेश शैक्षणिक संस्थाओं में रैगिंग का प्रतिषेध अधिनियम संक्षेप नाम 2010 कहा जायेगा।

परिभाषाएं

2. जब तक सन्दर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो, इस अधिनियम में, -

(क) "मण्डलायुक्त" का तात्पर्य ऐसे मण्डलायुक्त से है जिसकी अधिकारिता में संस्था स्थित है और इसके अन्तर्गत अपर आयुक्त भी हैं,

(ख) "शैक्षणिक संस्था" का तात्पर्य उत्तर प्रदेश में स्थित व किसी भी प्रकार की शिक्षा प्रदान कर रहे किसी विद्यालय, महाविद्यालय, विश्वविद्यालय या किसी अन्य संस्था, जिसे किसी भी नाम से पुकारा जाए, से है और जिसके अन्तर्गत कोई कोचिंग संस्था या उससे सम्बद्ध कोई अन्य परिसर भी है,

(ग) "संस्था का प्रधान" का तात्पर्य किसी विश्वविद्यालय के कुलपति , संकायाध्यक्ष, किसी संस्था का निदेशक या प्राचार्य या संस्था के निदेशक या प्राचार्य या संस्था के प्रबन्ध के लिए उत्तरदायी किसी अन्य व्यक्ति से है,

(घ) "रैगिंग" का तात्पर्य किसी विद्यार्थी से कोई ऐसा कार्य करने या ऐसा कृत्य का सम्पादन करने, के लिए कहे जाने, शब्दों, इशारों या संकेत द्वारा किसी ऐसे कार्य को कराने प्रलोभन देने, विवश करने, दबाव डालने से है जिससे किसी भी प्रकार से मानव गरिमा का ह्रास होता हो या उसका व्यक्तित्व दूषित होता हो या जिससे वह उपहास, अभित्रास, अन्यायपूर्ण नियन्त्रण, अन्यायपूर्ण परिरोध से पीड़ित होता हो और उसे क्षति पहुँचाने या उसे किसी प्रकार के धमकी या अभित्रास देना, अन्यायपूर्ण नियन्त्रण, अन्यायपूर्ण पिररोध से पीड़ित होता हो और उसे क्षति पहुँचाने या उसे किसी प्रकार की धमकी या अभित्रास देने, अन्यायपूर्ण नियन्त्रण, अन्यायपूर्ण परिरोध करने या क्षति पहुँचाने या उस पर आपराधिक बल प्रयोग करने से है,

(ड) "विद्यार्थी" का तात्पर्य किसी ऐसे विद्यार्थी से है जो किसी शैक्षणिक संस्था में अपना अध्ययन कर रहा हो/रही हो।

रैगिंग का प्रतिषेध

3- किसी शैक्षणिक संस्था के भीतर या उसके बाहर रैगिंग प्रतिषिद्ध है।

छात्र का निष्काशन/शिकायत दर्ज किया जाना

4- (10) जब कभी कोई छात्र या यथास्थिति माता-पिता या अभिभावक या किसी शैक्षणिक संस्था को कोई अध्यापक रैगिंग के सम्बन्ध में शैक्षणिक संस्था के प्रधान को लिखित रूप शिकायत करे तो सम्बन्धित शैक्षणिक संस्था का प्रधान शिकायत प्राप्त होने के सात दिन के भीतर शिकायत प्राप्त होने के सात दिन के भीतर शिकायत में उल्लिखित मामले की जाँच करेगा और प्रथमदृष्टया यह सत्य पाया जाता है तो ऐसे छात्र को निष्कासित कर देगा जो अपराध का अभियुक्त हो और ऐसे क्षेत्र, जिसमें शैक्षणिक संस्था स्थित हो, में अधिकारिता रखने वाले पुलिस थाने में शिकायत को अग्रेतर कार्यवाही हेतु तत्काल भेज देगा।

(2) जहाँ शैक्षिणक संस्था के प्रधान द्वारा जाँच कियो जाने पर यह सिद्ध हो जाये कि उपधारा (1) के अधीन प्राप्त शिकायत में प्रथमदृष्टया कोई तथ्य नहीं है वहाँ शिकायतकर्ता को लिखित रू॰ से इस तथ्य अवगत करा देगा।

रैगिंग के लिए शारित

5- जो काई प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रू॰ से किसी शैक्षणिक संस्था के भीतर या उसके बाहर रैगिंग करता है, उसमें भाग लोता है, दुष्प्रेरित करता है या उसका प्रचार करता है, उसे दो वर्ष तक किसी भी प्रकार के कारावास या रूपये इस हजार तक के जुर्माना या दोनों से दण्डित किया जायेगा।

छात्र का विवर्जन

6- धारा 5 के अधीन अपराध के लिए दोष सिद्ध किसी छा. को विवर्जन के दिनांक से ऐसी अवधि के लिए जो पाँच वर्ष तक हो सकती है, किसी शैक्षणिक संस्था में दाखिल नहीं किया जायेगा।

अपील

7- धारा 5 के अधीन निष्कासित या धारा 6 के अधीन विवर्जित कोई छात्र सम्बन्धित अपील प्रभारी को आदेश के दिनांक से तीस दिन की अवधि के भीतर विहित रीति से अपील कर सकता है और ऐसी अपील अधिकारी का विनिश्चय अन्तिम होगा।

अपील अधिकारी

8- माध्यमिक स्तर तक शिक्षा प्रदान करने वाले किसी स्कूल या विद्यालय के मामले में मण्डलायुक्त , किसी सम्बद्ध महाविद्यालय के मामले में सम्बद्धक विश्वविद्यालय का कुलपति और किसी विश्वविद्यालय के मामले में कुलाधिपति धारा 4 के अधीन किसी छात्र के निष्कासन आदेश या धारा 6 के अधीन विवर्जन आदेश के विरूद्ध अपील प्राधिकारी होगें।

अध्यारोही प्रभाव

9- इस अधिनियम से भिन्न किसी अधिनियम में या इस अधिनियम से भिन्न किसी अधिनियम के आधार पर प्रभाव रखले वाले किसी लिखत में अन्तर्विष्ट किसी बात से संगात होते हुए भी इस अधिनियम के उपबन्ध प्रभावी होगें।

नियम बनाने की शक्ति

10- राज्य सरकार, अधिसूचना द्वारा इस अधिनियम के प्रयोजनों को कार्यान्वित करने के लिए नियम बना सकती है।

कठिनाइयों को दूर किया जाना

11- (1) यदि इस अधिनियम के उपबन्धों को प्रभावी करने में कोई कठिनाई उत्पन्न होती है तो राज्य सरकार अधिसूचित आदेश द्वारा, ऐसे उपबन्ध, जो इस अधिनियम के उपबन्धों से असंगत न हो, कर सकती है जो कठिनाई को दूर करने के लिए उसे आवश्यक या समाचीन प्रती हो:

परन्तु इस अधिनियम के प्रारम्भ होने के दिनांक से दो वर्ष्ा की अवधि के पश्चात की इस उपधारा के अधीन कोई आदेश नहीं दिया जायेगा।

(2) इस धारा के अधीन किया गया प्रत्येक आदेश उसके किये जाने पश्चात् यथाशीघ्र राज्य विधान मण्डल के प्रत्येक सदन के समकक्ष रखा जाएगा।

उद्देश्य और कारण

रैगिंग एक मानवीय उत्पीड़न का कृत्य है। यह शैक्षणिक संस्थाओं में सर्वत्र व्याप्त है। वर्तमान परिदृश्य में रैगिंग सभ्य समाज में एक अभिशाप है। कतिपय राज्यों तथा पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, केरल और असम द्वारा विश्वविद्यालयों और व्यावसायिक संस्थाओं में रैगिंग के निवारण के लिए पहले ही विधि बना ली गयी है। इस राज्य में रैगिंग ने अपने निकृष्टतम रूप में सिर उठा रखा है और उसे कुचलना आवश्यक हो गया है। अतएव, विश्वविद्यालयों और व्यावसायिक संस्थाओं को रैगिंग के रूप में सामाजिक अन्याय, मानसिक शारीरिक और अन्य प्रकार के उत्पीड़न से मुक्त करने के उद्देश्य से यह विनिश्चय किया गया है कि एक विधि बनाकर उक्त शैक्षणिक संस्थाओं में रैगिंग को प्रतिषिद्ध करने हेतु प्रावधान किया जाए।

तदनुसार उत्तर प्रदेश शैक्षणि संस्थाओं में रैगिंग का प्रतिषेध विधायक, 2010 पुरः स्थापित किया जाता है।

आज्ञा से

प्रताप वीरेन्द्र कुशवाहा,

सचिव।

No. 400(2)/I.XXIX-VI-10 (Ka)-11-2010

Date Lucknow, March 19,2010

In pursuance of the provisions of clause (3) of Article 348 of Constitution, the Governor is pleased to order the publicaton of the following English translation of the Uttar Pradesh Shaikshanik Sansthaon mein Ragging Ka Pratishedh Adiniyam, 2010 (Uttar Pradesh Adhiniyam Sankhya 14 of 2010) as passed by the Uttar Pradesh Legislature and assented to by the Uttar Pradesh Legislature and assented to by the Governor on March 18,2010.

ANNEXURE I
AFFIDAVIT BY THE STUDENT

I, ... (full name of student with admission/registration /enrolement number) s/od/o Mr./Mrs./Ms. ..... having been admitted to Kamla Nehru Institute of Physical & Social Science, Sultanpur, have received a copy of the Uttar Pradesh Government Gazette. On Curbing the Menace Ragging in Higher Educational Institution, 2010, (hereinafter called the. 'Regulations') carefully read an fully understood the provision contained in the said Regulations.

2) I have, in particular, perused clause 3 at the Regulations' and arm aware' as to what lutes ragging.

3) I have, in particular, perused clause 7 and clause 9 of the Regulations and I am fully aware of the penal and administrative action that is liable to be taken against me in case I am found guilty of or abetting ragging, actively or passively, or being part at a conspiracy to promote ragging.

4) I hereby solemnly aver and undertake

   a) I will not indulge in any behavior or act that may be constituted as ragging under clause 3 of the Regulation

5) I hereby affirm that, if found guilty of ragging, I am liable for punishment according to clause 9 fo the Regulations, without prejudice to any other criminal action that may be tilling against me under any penal law or any law for the time being in force.

I hereby declare that I have not been expelled or debarred from admission in any Institution in the country on account of being bound guilty of, abetting or being part of a conspiracy to promote, ragging and further that, in case th declaration is found to be untrue. I am aware, that my admission is liable to be cancelled.

Declared this day of..... month of ..... year.

Signature of deponent

Name :

ANNEXURE Ii
AFFIDAVIT BY PARENT/GUARDIAN

I, ... (full name of student with admission/registration mother / guardian of ..... (full name of student with admission / registration / enrolement number) having been admitted to Kamla Nehru Institute of Physical & Social Science, Sultanpur, have received 'a copy of the Uttar Pradesh Government Gazette 2010 on Cur bing the menace of Ragging in Higher Educational Institutions, 2009, (heer called the "Regulation"), carefully read and fully understood the provisions 'tainted in the said Regulations.

2) I have, in particular, perused clause 3 at the Regulations' and arm aware' as to what constitutes ragging.

3) I have also in particular, perused clause 7 and clause 9 of the Regulations and I am fully aware of the penal and administrative action that is liable to be taken against me in case' he/she is found guilty of or abetting ragging, actively or passively, 01 being part at a conspiracy to promote ragging.

4) I hereby solemnly aver and undertake

   a) My ward will not indulge in any behavior or act that may be constituted as ragging under clause 3 of the Regulations.

5) I hereby affirm that, if found guilty of ragging, my ward is liable for punishment according to clause 9 fo the Regulations, without prejudice to any other criminal action that may be taken against my ward under any parallax or any law for the time being if force.
   I hereby declare that my ward has not been expelled or debarred from admission in any Institution in the country on account of being bound guilty of, abetting or being part of a conspiracy to promote, ragging and further that, in case the declaration is found to be untrue the admission of my ward is liable to be cancelled.

Declared this day of..... month of ..... year.

Signature of deponent

.....

VERIFICATION

Verified that the contents of this affidavit are true to the best of my knowledge, and no part of affidavit is false and nothing has been concealed of misstated therein. Verified at ..... (place) on this the ..... (day) of ..... (month) ..... (year)

Signature of deponent

Solemnly affirmed and signed in my presence on this ..... (day) of ..... (month) ..... (year) after reading the contents of this affidavit.

OATH COMMISSIONER

Note : It is mandatory to submit this affidavit in the above format, if you douse to take admission for the Forth coming academic session.

प्रवेश परीक्षा तिथि एवं पाली

तिथि	प्रथम पाली प्रातः 8:00 10:00 बजे	द्वितीय पाली 12:00 2:00 बजे	तृतीय पाली 3:00 5:00 बजे
27 जून, 2013 बृहस्पतिवार	बी. काम	एम.ए. (हिन्दी) एम.कॉम., बी.बी.ए. एम.एस-सी, (माइक्रोबायलोजी)	एम.ए., (अर्थशास्त्र) एम.एस-सी, (रसायन विज्ञान) एम.एस.-सी, (फूड एण्ड न्यूट्रिशन
28 जून, 2013 शुक्रवार	बी.एस-एसी. (बायो)	बी.ए. एम.ए. (मध्यकालीन इतिहास) एम.एस-सी, (वनस्पति विज्ञान)	बी.एस-सी. (कृषि विज्ञान) एम.ए., (भूगोल) एम.एस-सी, (गणित) एम.एस-सी, (चाइल्ड डेवलेपमेन्ट)
29 जून, 2013 शनिवार	बी.एस-सी. (गणित)	बी.एस-सी, (गृह विज्ञान) एम.ए. (अंग्रेजी) एम.एस-सी, (पर्यावरण) एम.एस-सी, (भौतिक विज्ञान)	एम.ए., (राजनीति विज्ञान) एम.एस-सी, (जन्तु विज्ञान)

स्मरणीय तिथियाँ

1.	प्रवेश परीक्षा आवेदन पत्र जमा करने की अन्तिम तिथि	:	25 जून, 2013
2.	परीक्षा परिणाम घोषित करने की तिथि	:	10 जुलाई, 2013
3.	स्नातक (बी.ए., बी.एस-सी., बी.कॉम भाग 1) में प्रवेश	:	17 जुलाई, 2013
4.	स्नातकोत्तर (एम.ए., एम.एस-सी., एम.कॉम भाग 1) में प्रवेश	:	प्रचार्य द्वारा 10.07.2013 को तिथि घोषित की जायेगी।
5.	स्नातक प्रथम वर्ष की कक्षाएं प्रारम्भ होने की तिथि	:	1 अगस्त, 2013
6.	स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष की कक्षाएं प्रारम्भ होने तिथि	:	10 अगस्त, 2013

कमला नेहरू मेमोरियल ट्रस्ट, सुलतानपुर के पदाधिकारी एवं सदस्यगण

1.	बाबू श्रीनाथ सिंह	संरक्षक
2.	पं. राम बरन द्विवेदी	अध्यक्ष
3.	श्री विनोद सिंह	सचिव
4.	श्री राजेश्वर प्रसाद सिंह	सदस्य
5.	श्री जितेन्द्र बहादुर सिंह	सदस्य
6.	श्री राज किशोर सिंह	सदस्य
7.	श्री साधू चरन सिंह	सदस्य
8.	श्री बशीर अहमद	सदस्य
9.	श्री राकेश द्विवेदी	सदस्य
10.	श्री पंकज टण्डन	सदस्य
11.	श्री अरविन्द सिंह	सदस्य
12.	श्री डी एन श्रीवास्तव	सदस्य
13.	श्री वी के सिंह	सदस्य

प्रबन्ध समिति

1.	बाबू श्रीनाथ सिंह	संरक्षक
2.	पं. राम बरन द्विवेदी	अध्यक्ष
3.	श्री विनोद सिंह	प्रबन्धक
4.	श्री जितेन्द्र बहादुर सिंह	सदस्य
5.	श्री राकेश द्विवेदी	सदस्य
6.	श्री पंकज टण्डन	सदस्य
7.	श्री बशीर अहमद	सदस्य
8.	श्री फ्रांसिस मूर	विशिष्ट सदस्य
9.	डॉ. एस.पी. गुप्ता	विशिष्ट सदस्य
10.	डॉ. ए.के. श्रीवास्तव	प्राचार्य पदेन सदस्य
11.	डा. सुधाकर पाठक	शिक्षक प्रतिनिधि सदस्य
12.	डॉ. राघवेन्द्र प्रताप सिंह	शिक्षक प्रतिनिधि सदस्य
13.	श्री अमर बहादुर सिंह	शिक्षणेत्तर प्रतिनिधि सदस्य

यू.जी.सी. कैरियर ओरियेन्टेड डिप्लोमा पाठ्यक्रम

..... With 100% Job Assured .....

संस्थान में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नई दिल्ली द्वारा अनुमोदित एवं डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद द्वारा मान्यता प्राप्त संचालित डिप्लोमा पाठ्यक्रम का परिचय निम्नवत् है -

1. **पर्यटन में डिप्लोमा** (Diploma in Tourism)

लोगों को आकर्षित कर विभिन्न स्थलों को देखने-दिखाने, मनोरंजन एवं ज्ञान में वृद्धि से सम्बन्धित "पर्यटन उद्योग" तीव्र गति से बढ़ता हुआ आज विश्व का बृहद उद्योग बन गया है। इस उद्योग के अन्तर्गत विभिन्न प्रकार की व्यावसायिक क्रियायें जैसे- टूर आपरेशन, ट्रेवेल एजेन्सी आपरेशन, होटल एवं कैटरिंग व्यवसाय, एयरलाइन्स, रोड, रेल, जल परिवहन, मनोरंजन डेस्टीनेशन विकास आदि सम्मिलित होती हैं। विश्व में इसका वार्षिक कारोबार 34 खरब डालर का है। इस उद्योग से जुड़ी उपरोक्त क्रियाओं में बड़ी संख्या में रोजगार प्रदान करने की क्षमता है। वास्तव में किसी भी अन्य आर्थिक सेक्टर की तुलना में निवेश एवं रोजगार सृजन का अनुपात पर्यटन सेक्टर में उच्चतम है। अपने भौगोलिक एवं सांस्कृतिक विविधता के कारण भारत में इस उद्योग के विकास की अपार सम्भावनांए विद्यमान हैं। वर्तमान समय में भारत में विदेशी मुछा अर्जित करने वाला तीसरा सबसे बड़ा उद्योग है। देश के कुल रोजगार का लगभग 6 प्रतिशत भाग पर्यटन उद्योग में लगा है। एक आंकलन के अनुसार वर्तमान दशक में लगभग एक करोड़ अतिरिक्त रोजगार इस उद्योग से प्राप्त होंगें। रोजगार सृजन की इस क्षमता में दिनोदिन वृद्धि भी हो रही है। इस उद्योग में रोजगार अथवा स्वरोजगार में रूचि रखने वाले लोगों को सम्बन्धित पाठयक्रम में दक्ष होना आवश्यक है। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य आपको आपको पर्यटन के विभिन्न पहलुओं का ज्ञान प्रदान करना, पर्यटन सेवायें संगठित करने में बुनियादी प्रशिक्षण प्रदान करना एवं इस क्षेत्र में कैरियर के अवसर प्रदान करना है। पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न करने के पश्चात अभ्यर्थी केन्द्र एवं राज्यों के पर्यटन विभाग, ट्रेवल एजेंसी, होटल, एयर लाइन्स इत्यादि में टर ऑपरेटर, ट्रेवेल एजेंसी मैनेजर, प्रमुख, टूर एक्जिक्यूटिव, काउन्टर स्टाफ, गाइड इत्यादि के रूप में कार्य कर अथवा स्वरोजगार द्वारा अपने भविष्य को संवार सकते हैं।

2. **कम्प्यूटर ग्राफिक्स और ऐनीमेशन में डिप्लोमा** (Diploma in Computer Graphics & Animation)

किसी भी उद्योग की सफलता उसकी प्रचार-प्रसार पर निर्भर करती है। जिसको केवल ग्राफिक्स डिजाइनर व विजूलाइजेशन एक्सपर्ट ही कर सकता है। बेहतर प्रचार किसी भी प्रोडेक्ट की सेल को बढ़ा सकता है और उस प्रोडक्ट की कमियों को छिपाकर उसकी अच्छाइयों को दिखाकर उसको बेचने लायक बनाता है। आजकल प्रचार का सबसे अच्छा माध्यम इंटरनेट और टेलीविजन है। कम्प्यूटर ग्रॉफिक्स और ऐनीमेशन के माध्यम से ही ऐड फिल्में और फिल्मों में स्पेशल इफेक्टस जैसे जुरासिक पार्क, हनुमान, क्रिस जैसी फिल्मों का निर्माण सम्भव हो पाया है। आज की फिल्मों को देखकर यह कहा जा सकता है कि कम्प्यूटर के 2डी और 3डी ग्राफिक्स के द्वारा भूतकाल में घटित या भविष्य में घटित होने वाली घटनाओं को कम्प्यूटर के द्वारा ही जीवंत कर दिखाया जा सकता है। इसका उदाहरण टाइटेनिक, मैट्रिक्स आदि। कम्प्यूटर एजूकेशन में सबसे एडवांस स्तर पर ग्राफिक्स का ही काम होता है। आजकल कर कंपनी या कॉलेज की अपनी वेबसाइट है जिसके नियामित उन्नयन का काम भी सी के अंतर्गत आता है। भारत में लगभग 70 कम्पनियों केवल ऐनीमेशन क्षेत्र में काम कर रही है जिनमें 2000 एक्सपर्टस की प्रत्येक वर्ष आवश्यकता है। इस डिप्लोमा कोर्स को करने के बाद स्वरोजगार के साथ-साथ रोजगार के अवसर भारत में ही नहीं वरन पूरे विश्व में है। कुछ प्रमुख क्षेत्र जिनमें रोजगार की संभावनायें सबसे प्रबल हैं जैसे-रेडियों, टेलीविजन, एडवरटाइजिंग, फिल्म, फैशन, पब्लिकेशन, इंटरनेट और बी.पी.ओ. सेंटर आदि।

3. फैशन डिजाइनिंग में डिप्लोमा (Diploma in Fashion Designing)

सामाजिक विकास के साथ-साथ मानव के रहने, खाने और वस्त्रों को पहनने के तरीके में परिवर्तन हो रहा है। इन आवश्कताओं की पूर्ति हेतु भारत ही नहीं वरन विदेशों में भी तरह-तरह के परिधान डिजाइन किये जा रहे है। अब सवाल यह उठता है कि कौन इस तरह की अलग-अलग डिजाइनों को तैयार कर बाजार में प्रस्तुत करता है जिसे पहनकर आप सबसे कुछ लोग दिखकर लोगों के आकर्षण का केन्द्र बन जाते हैं। तब यह सवाल उठता है कि यह सब कैसे संभव है? "इसका सीधा उत्तर है फैशन डिजाइनिंग"। कुछ भी नया करने का एकमात्र साधन फैशन है। फैशन डिजाइनिंग के क्षेत्र में नौकरी की संभावना बहुत ज्यादा है तथा अगर स्वरोजगार चाहें तो बुटीक के माध्यम से किया जा सकता है। दुनिया के लगभग सभी फैशन डिजाइनर्स के अपने बुटीक या उत्पादन केन्द्र जरूर हैं, जिसके माध्यम से ही वे दुनिया में नई डिजाइनों को लोकप्रिय बनाते हैं। आज सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण कम्प्यूटर के माध्यम से नई डिजाइनों को बनाकर उनको मार्केट में प्रस्तुत करना है। फैशन डिजाइनिंग में डिप्लोमा कोर्स करने के बाद स्वरोजगार के अलावा अन्य क्षेत्रों जैसे फैशन डिजाइनिंग, ड्रेस डिजाइनर, ज्वेलरी डिजाइन, लेदर डिजाइनर, डिजाइनिंग प्रबन्धन आदि में रोजगार के अवसर प्राप्त हो सकते हैं। हमारे संस्थान ने छात्र/छात्राओं को सूरत, मुम्बई, दिल्ली, लुधियाना, लखनऊ, हरिद्वार इत्यादि शहरों में बड़ी और नामी कम्पनियों में प्रशिक्षण की व्यवस्था के साथ उनके रोजगार की भी व्यवस्था की है।

4. रेशम कीट पालन में डिप्लोमा (Diploma in Sericulture)

भारत जैसे विकासशील देश में ग्रामीण अर्थव्यवस्था के सुधार में कृषि आधारित उद्योगों की महत्वपूर्ण भूमिका है। विविध प्रकार के कृषि आधारित उद्योगों में सेरीकल्चर एक प्रमुख उद्योग है। अनुकूल पारिस्थितिक दशाओं वाले समस्त ग्रामीण क्षेत्रों में सेरीकल्चर को एक कुटीर उद्योग के रूप में कृषि के साथ-साथ कृषिकों द्वारा अपनाया जा सकता है। वर्तमान समय में देश में विभिन्न शोध संस्थानों द्वारा शहतूत रोपन एवं रेशम कीट पालन के क्षेत्र में नवीन अनुसंधान किये जा रहे हैं। देश में आज यह उद्योग एक प्रमुख व्यवसाय के साथ-साथ नगदी फसल के रूप में स्थापित हो चुका है। भारत में पाँच विशिष्ट प्रकार के रेशम के कीड़े पाले जाते हैं। जिससे रेशम के धागे एवं वस्त्र का उत्पादन होता है। इस क्षेत्र में रूचि रखने वाले छात्र/छात्राओं को रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर प्रदान करने हेतु यह डिप्लोमा संस्थान द्वारा संचालित किया जा रहा है।

5. जोखिम एवं बीमा प्रबन्धन में डिप्लोमा (Diploma in Risk & Insurance Management)

डिप्लोमा इन रिस्क एण्ड मैनेजमेन्ट पाठ्यक्रम छात्र/छात्राओं को आज के इस व्यवसायिक प्रतिस्पर्द्धा के युग में रोजगार प्रदान करने हेतु एक स्वर्णिमान अवसर प्रदान करता है। वर्तमान युग में बीमा की उपयोगिता को जन-जन तक पहुँचाने के दृष्टिोण से ही इस पाठ्यक्रम का संचालन विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा किया गया है। पूर्व में तो मात्र भारतीय जीवन बीमा निगम एवं सामान्य जीवन बीमा निगम का ही एकाधिकार इस क्षेत्र में था लेकिन इसकी महत्ता को अनुभव करते हुए निजी क्षेत्र की बड़ी-बड़ी कम्पनियों ने अपनी भागीदारी सुनिश्चित की है। जैसे-टाटा एआईजी, आईसीआईसीआई प्रोडेन्शियल, कोटक महिन्द्र, एचडीएफसी, रिलायन्स जनरल इन्श्योरेन्स, रिलायन्स लाइफ इन्श्योरेन्स, भाती एकसा, बजाज एजियान्ज, बिरला सनलाइफ आदि। इनसे रोजगार के नवीन अवसरों का प्रचुर मात्रा में सृजन हुआ है। यह पाठ्यक्रम इस अवसर को ग्रह्य बनाने हेतु अत्यन्त उपयोगी सबित होगा।

6. विक्रय एवं विपणन प्रबन्ध में डिप्लोमा (Diploma in Sales & Marketing Management)

भूमण्डलीकरण के दौर में विश्व स्तरीय कम्पनियां भारत में प्रवेश कर रही है। भारतीय अर्थव्यवस्था तेजी के साथ आगे बढ़ रही है। विभिन्न कम्पनियों के बीच बाजार में पैठ बनाने के लिए प्रतिस्पर्धा अपने चरम पर पहुँच चुकी है। ऐसे समय में उद्योग जगत को तमाम चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। जिसकी वजह से 'सेल्स एण्ड मार्केटिंग' के

क्षेत्र में तेजी के साथ रोजगार के अवसरों का सृजन हो रहा है। इन अवसरों के दोहन हेतु कमला नेहरू भौतिक एवं सामाजिक विज्ञान संस्थान, सुलतानपुर ने "डिपलोमा इन सेल्स एण्ड मार्केटिंग मैनेजमेंट" का प्रारम्भ किया है।

पाठ्यक्रम उद्देश्य (Course Objective)

डिप्लोमा पाठ्यक्रम संस्थान में निम्नलिखित उद्देश्यों से संचालित किये जा रहे हैं-

- स्नातक स्तर पर अध्ययनरत छात्र/छात्राओं को उनकी अभिरूचि के रोजगार क्षेत्र से सम्बन्धित तकनीकी ज्ञान एवं प्रशिक्षण प्रदान करना।
- छात्र/छात्राओं में व्यावसायिक योग्यता विकसित करना।
- सम्बन्धित क्षेत्र में मान्यता प्राप्त एवं उच्च स्तरीय सर्टिफिकेट/डिप्लोमा/एडवांस प्रमाण-पत्र प्रदान करना।
- छात्र/छात्राओं में दक्षता का सुधार करना।
- छात्र/छात्राओं को सम्पूर्ण व्यक्तित्व का विकास करना।
- छात्र/छात्राओं का उनकी दक्षता एवं योग्यता के अनुसार रोजगार अथवा स्वरोजगार प्राप्त कर पाने में सहायता प्रदान करना।

अर्हता एवं प्रवेश प्रक्रिया (Eligibility and Admission Process)

इण्टरमीडिएट (10+2) या समकक्ष परीक्षा किसी भी वर्ग में उत्तीर्ण प्रत्येक डिप्लोमा पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु सीटें सीमित हैं। प्रवेश हेतु अभ्यर्थियों का चयन मेरिट, साक्षात्कार एवं ग्रुप डिस्कशन के आधार पर किया जायेगा।

सुविधायें (Facilities)

डिप्लोमा कोर्स के सफल संचालन हेतु संस्थान परिसर में निम्नलिखित सुविधायें उपलब्ध है -

- सबसे एडवांस मल्टीमीडिया कम्प्यूटर APPLE MACINTOSH भी उपलब्ध है।
- योग्य एवं अनुभवी प्राध्यापक (पाठ्यक्रम की आवश्यकतानुसार बाह्य विषय-विशेषज्ञों (Guest Faculty) को भी आहूत किया जाता है)
- अत्याधुनिक वातानुकूलित डिप्लोमा प्रयोगशाला जिसमें आवश्यक साफ्टवेयरों से युक्त 30 कम्प्यूटर सेट उपलब्ध है।
- कम्युनिकेशन दक्षता एवं व्यक्तित्व विकास हेतु कम्प्यूटराइज्ड आडियो विजुअल कम्युनिकेशन प्रयोगशाला।
- डिप्लोमा पुस्तकालय में पर्याप्त अध्ययन सामग्री।
- डिप्लोमा पाठ्यक्रम से सम्बन्धित देश के प्रमुख रोजगार प्रदान करने वाली संस्थाओं में (Job Establishment) छात्र/छात्राओं को प्रशिक्षण प्रदान करने की सुविधा।

अध्ययन समय-सारणी (Study Time-Table)

डिप्लोमा पाठ्यक्रम की समय सारणी संस्थान के प्रत्येक संकायों की स्नातक समय-सारणियों को ध्यान में रखते हुए इस प्रकारनिर्मित की गयी है कि छात्र/छात्राएं परम्परागत विषयों के अध्ययन के पश्चात् या मध्य में बचे हुए समय का सदुपयोग कर सकें। डिप्लोमा कोर्स की कक्षाएं प्रत्येक कार्य दिवस में औसत रूप से तीन घण्टे (दो घण्टे सैद्धान्तिक एवं एक घण्टा प्रायोगिक) संचालित की जाती है। यह कक्षाएं ग्रीष्मावकाश की अवधि में चार घण्टे (प्रातःकाल) नियमित रूप से संचालित होती है।

परीक्षा एवं प्रमाण –पत्र (Examination and Certificate)

- सर्टिफिकेट कार्स / डिप्लोमा कोर्स / एडवान्स कोर्स की परीक्षाएं कमला नेहरू भौतिक एवं सामाजिक विज्ञान संस्थान, सुलतानपुर द्वारा घोषित परीक्षा कार्यक्रम अनुसार जुलाई / अगस्त माह (अनुमानित) में सम्पन्न होगी।
- प्रमाण-पत्र को कमला नेहरू भौतिक एवं सामाजिक विज्ञान संस्थान, सुलतानपुर नाम से पदान किया जायेगा।

क्रम	डिप्लोमा पाठ्यक्रम का नाम	संयोजक	पता
1.	टूरिज्म	डॉ. डी के त्रिपाठी	रीडर, भूगोल विभाग
2.	ग्रॉफिक्स एण्ड ऐनिमेशन	श्री संजय पाण्डेय	डिप्लोमा कैम्पस (विधि संकाय)
3.	रिस्क एण्ड इन्श्योरेन्स मैनेजमेन्ट	डॉ. बी के झा	रीडर, वाणिज्य संकाय
4.	फैशन डिजाइनिंग	श्री संजय पाण्डेय	डिप्लोमा कैम्पस (विधि संकाय)
5.	सेल्स एण्ड मार्केटिंग मैनेजमेन्ट	डॉ. प्रेम मोहन	रीडर, वाणिज्य संकाय
6.	सेरीकल्चर	डा. सी.के. त्रिपाठी	विभागाध्यक्ष, कृषि संकाय

प्रबन्ध संकाय

एम.बी.ए.

कमला नेहरू भौतिक एवं सामाजिक विज्ञान संस्थान के अन्तर्गत वर्ष 2001 में एम बी ए द्विवर्षीय पूर्णकालिक पाठ्यक्रम प्रारम्भ किया गया। अपने प्रारम्भ से ही उत्तरोत्तर लक्ष्य की ओर अग्रसरित होते हुए संस्थान द्वारा संचालित एम.बी.ए. पाठ्यक्रम गौतम बुद्ध प्राविधिक विश्वविद्यालय (पूर्व में उत्तर प्रदेश प्राविधिक विश्वविद्यालय) द्वारा सम्बद्ध प्रथम 10 संस्थानों में से एक है। जिससे प्रतिवर्ष 90 प्रबन्धक शिक्षा ग्रहण करने के पश्चात देश-विदेश में विभिन्न बहुराष्ट्रीय कम्पनियों एवं सरकारी नौकरियों के माध्यम से देश के विकास के अपना योगदान प्रदान कर रहे हैं। संस्थान के मेधावी छात्र/छात्राओं ने प्रदेश स्तर पर पर श्रेष्ठता सूची में अव्वल रह कर नये आयामों का सृजन किया है। संस्थान का परीक्षाफल पिछले 10 वर्षों में शत-प्रतिशत रहा है।

संस्थान में बदले हुए परिवेश और तकनीकी दक्षता की माँगों की देखते हुए कक्षाओं को पूर्णरूपेण आधुनिक और तकनीकी उपकरणों से जैसे एल.सी.डी. प्रोजेक्टर, इन्टरनेट आदि से सुसज्जित किया गया है ताकि छात्र/छात्राओं का सर्वांगीण विकास किया जा सके। संस्थान के पुस्तकालय में लगभग 5000 से भी ज्यादा पुस्तकें, 30 से अधिक अर्न्तराष्ट्रीय जर्नल्स, 20 से अधिक प्रबन्धन पत्रिकाएं और 12 से अधिक ई-जर्नल्स उपलब्ध हैं।

आज के कारपोरेट जगत की सफलता का आधार वहाँ की सूचना तकनीक की उत्तम व्यवस्था है। आज के युग में छात्र/छात्राओं को सिर्फ शिक्षा से सुसज्जित करना ही बहुत मायने नहीं रखता, बल्कि छात्र/छात्राओं के निहित ज्ञान का समुचित प्रयोग कराना बहुत महत्वपूर्ण होता है। जिसमें सूचना तकनीक की महती भूमिका होती है। इस परिप्रेक्ष्य में संस्थान में 100 कम्प्यूटरों से सुसज्जित एवं पूर्णतया वातानुकूलित और 24 घण्टे इन्टरनेट और मल्टीमीडिया से युक्त कम्प्यूटर लैब छात्र/छात्राओं को अपनी सेवाएं प्रदान कर रहा है। इस लैब में आधुनिक साफ्टवेयर के साथ हेडफोन, स्पीकर, प्रिन्टर, स्कैनर आदि सुविधाएं उपलब्ध हैं। संस्थान में सभी इच्छुक छात्र/छात्राओं को वाहन सुविधा, सभी के लिए कैन्टीन, डाकघर आदि सुविधांए उपलब्ध हैं।

संस्थान प्रतिवर्ष अपने स्तर पर छात्र/छात्राओं को प्रतिष्ठित कम्पनियों में जैसे आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक, सिपला, ग्लैक्सो, एचसीसी, बीओबी, सीबीआई, विप्रो, एयरटेल, रिलायन्स, पेप्सी, कोक आदि में शिक्षा पूर्ण होने के पूर्व ही प्लेसमेन्ट की व्यवस्था करता है।

छात्र/छात्राओं के सर्वांगीण विकास हेतु संस्थान स्तर पर प्रतिवर्ष खेलकूद, सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं अन्य सामाजिक क्रियाकलापों का आयोजन किया जाता है। संस्थान के पूर्व छात्र/छात्राओं को संस्थान के साथ हमेशा जुड़े रहने और नये छात्र/छात्राओं को उनके वास्तविक कार्य अनुभव से परिचित कराने हेतु 'मिलाप' नामक कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है जिसमें पुराने छात्र/छात्राओं द्वारा संस्थान के नये छात्र/छात्राओं को अपना अनुभव संस्मरण एवं रोजगार की दिशा में आगे बढ़ने हेतु आवश्यक बातों को बताया जाता है जिससे नये छात्र/छात्राएं लाभान्वित होते हैं।

संस्थान में प्रवेश हेतु अभ्यर्थी को गौतम बुद्ध प्राविधिक विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा निर्धारित प्रवेश परीक्षा में उपस्थित होना और किसी भी संकाय से 50% अंको के साथ उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। प्रवेश हेतु जीबीटीयू द्वारा समय-समय पर आवश्यक दिशा निर्देश भी दिये जाते हैं जिसके लिए वेबसाइट **www.uptu.org or www.uptu.ac.in** पर लॉग आन करें। इसके अतिरिक्त जो अभ्यर्थी स्नातक स्तर पर किसी भी संकाय से 50% अंको के साथ उत्तीर्ण हो वे सीधे प्रबन्धकीय कोटे के अन्तर्गत प्रवेश ले सकते है। प्रायः उन अभ्यर्थियों को वरीयता प्रदान की जाती है जिन्होंने जीबीटीयू द्वारा निर्धारित प्रवेश परीक्षा में उचित रैंक प्राप्त किये हों।

बी.बी.ए.

कमला नेहरू भौतिक एवं सामाजिक विज्ञान संस्थान के अर्न्तगत वर्ष 2006 में बीबीए त्रिवर्षीय पूर्णकालिक पाठ्यक्रम प्रारम्भ किया गया यू.जी.सी. से मान्यता प्राप्त है और डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद से सम्बद्ध है। संस्थान के लगभग 120 प्रभावी प्रबन्धकों को पूर्ण रूप से सुसज्जित होकर देश के अग्रणी संस्थानों एम बी ए पाठ्यक्रम अध्ययनरत हैं।

बी.बी.ए. में प्रवेश हेतु अभ्यर्थी को संस्थान द्वारा आयोजित प्रवेश परीक्षा में उत्तीर्ण होना अनिवार्य है और किसी मान्यता प्राप्त इण्टरमीडिएट कालेज से (10+2) की शिक्षा 50 प्रतिशत अंको के साथ उत्तीर्ण होना आवश्यक है। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग हेतु किसी मान्यता प्राप्त इण्टरमीडिएट कालेज से (10+2) की शिक्षा 50 प्रतिशत अंको के साथ उत्तीर्ण होना आवश्यक है।

प्रोद्योगिकी संकाय

परम पूज्य बाबू जी केदार नाथ सिंह जी की इच्छा के फलस्वरूप उनके सुपुत्र विनोद सिंह ने सन् 2000 में फरीदीपुर परिसर में अभियान्त्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान की स्थापना के लिए अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद, नई दिल्ली के लिए आवेदन किया और सभी मानकों को पूर्ण करते हुए उत्तर प्रदेश प्राविधिक विश्वविद्यालय, लखनऊ (वर्तमान में गौतम बुद्ध प्राविधिक विश्वविद्यालय, लखनऊ) से सम्बद्धता प्राप्त करते हुए सुलतानुपर जनपद में एक निजी (स्ववित्तपोषित) इंजीनियरिंग संस्थान की स्थापना की। जिसमें सत्र 2008-09 में इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग, कम्प्यूटर साइन्स एण्ड इंजीनियरिंग एवं इन्फॉरमेशन टेक्नोलॉजी एण्ड इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों के साथ पठन-पाठन आरम्भ हुआ। सत्र 2009-10 में सिविल इंजीनियर्स की माँग को देखते हुए संस्थान में सिविल इंजीनियरिंग तथा सूचना क्रान्ति को ध्यान में रखते हुए मास्टर ऑफ कम्प्यूटर एप्लिकेशन (एम.सी.ए.) का पठन-पाठन आरम्भ किया गया।

संस्थान राष्ट्रीय राजमार्ग - 96, फैजाबाद बाईपास पर फरीदीपुर परिसर 148 एकड़ क्षेत्रफल के हरित परिसर में स्थित है जो कि नगर के कोलाहलपूर्ण वातावरण से मुक्त गुरूकुल परम्परानुकूल है। संस्थान में अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद, नई दिल्ली एवं गौतम बुद्ध प्राविधिक विश्वविद्यालय, लखनऊ के मानकानुसार सभी प्रयोगशालाएं जो कि अत्याधुनिक उपकरणों से सुसज्जित है तथा पठन-पाठन वरिष्ठ एवं योग्य प्राध्यापकों द्वारा किया जाता है। संस्थान में पठन-पाठन के अतिरिक्त अन्य शिक्षणेत्तर कार्यक्रमों का संचालन भी नियमित समयान्तराल पर किया जाता है।

छात्र/छात्राओं के बहुराष्ट्रीय कम्पनियों में प्लेसमेन्ट हेतु कई रोजगारपकर अल्पकालीन पाठ्यक्रमों का संचालन किया जा रहा है। जिससे छात्र/छात्राएं उद्योग जगत की आवश्यकतानुसार प्रशिक्षित होकर उच्च वेतनमान में रोजगार प्राप्त कर सकें।

संस्थान की उपलब्धियों से प्रभावित होकर गौतम बुद्ध प्राविधिक विश्वविद्यालय, लखनऊ ने दिनांक 17.04.2011 को होने वाली वर्तमान राज्यस्तरीय इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा (SEE-GNTU-2011) का सुलतानपुर जनपद में एकमात्रा परीक्षा केन्द्र (स्ववित्तपोषित संस्थान) निर्धारित किया। जिसका संचालन प्रबन्ध समिति के सफल निर्देशन में सम्पन्न हुआ।

संस्थान के सिविल इंजीनियरिंग विभाग में फ्लूड मैकेनिक्स लैब, स्ट्रक्चरल एनालिसिस लैब, जियोइनफॉरमेटिक्स लैब, बिल्डिंग डिजाइन लैब, सर्वेइंग लैब, कैड लैब अत्याधुनिक उपकरणों से सुसज्जित हैं। इलेक्ट्रॉनिक्स एण्ड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग विभाग में इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग में इलेक्ट्रिकल लैब, ईएमईसी लैब, नेटवर्क लैब, पाइसपाइस लैब उपलब्ध हैं। कम्प्यूटर साइंस इंजीनियरिंग तथा इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी विभाग में 240 कम्प्यूटर जो कि हाईस्पीड इन्टरनेटयुक्त सभी सम्बन्धित प्रयोगात्मक विषयों के लिए उपलब्ध है।

संस्थान के पुस्तकालय में इंजीनियरिंग की सभी शखाओं तथा एमसीए पाठ्यक्रम की लगभग 16,000 पुस्तकें, 32 जर्नल्स तथा 8 ई-जर्नल पठन-पाठन हेतु उपलब्ध है। संस्थान के छात्र/छात्राओं हेतु बस सुविधा उपलब्ध है और छात्र/छात्राओं हेतु अलग-अलग छात्रावास की सुविधा उपलब्ध है। छात्र/छात्राओं के सर्वांगीण विकास हेतु खेल भी आवश्यक हैं क्योंकि स्वस्थ तन में स्वस्थ मन का वास होता है। छात्र/छात्राओं की बैंकिग सुविधा हेतु एटीमत तथा एजुकेशन लोन के लिए सुविधा उपलब्ध हैं। संस्थान में छात्र/छात्राओं हेतु परिसर में कैन्टीन, मेडिकल आदि के साथ सुरक्षा की समुचित व्यवस्था है।

संस्थान के छात्र/छात्राओं के प्लेसमेन्ट हेतु कई प्रतिष्ठित कम्पनियों को आमन्त्रित किया गया है। छात्र/छात्राओं को उद्योग जगत के मानकानुसार प्रशिक्षित करने हेतु विभिन्न कम्परियों के वरिष्ठ प्रतिनिधियों के द्वारा नियमित समयान्तराल पर छात्र/छात्राओं को अतिथि व्याख्यान दिया जाता है जिससे वे अपे भविष्य की नींव को और अग्रसर हो सके।

आगामी सत्र में संस्थान अपने अन्तिम वर्ष के छात्र/छात्राओं को शत-प्रतिशत रोजगार देने हेतु कृत संकल्पित है और इस दिशा में अग्रसर है।

अधिक जानकारी हेतु सम्पर्क करें - निदेशक
इंजीनियरिंग संकाय, कमला नेहरू भौतिक एवं सामाजिक विज्ञान संस्थान
राष्ट्रीय राजमार्ग-96, फैजाबाद बाईपास, फरीदीपुर, सुलतानपुर (उ.प्र.) - 228 118
दूरभाष : 05362-253243, 253551 मोबाइल : 9935141142

गृह विज्ञान संकाय – स्नातक एवं परास्नातक

(स्ववित्तपोषित–केवल छात्राओं के लिए)

कमला नेहरू भौतिक एवं सामाजिक विज्ञान संस्थान ने अपने छात्र/छात्राओं के व्यक्तित्व के विकास और रोजगारपरक शिक्षा हेतु कला वर्ग, विज्ञान वर्ग, शिक्षाशास्त्र, विधि, कृषि तकनीकी एवं प्रबन्धन पाठ्यक्रम की समुचित अध्ययन व्यवस्था सुनिश्चित की है। फिर भी लम्बे समय से महिलाओं के व्यक्तित्व विकास एवं दक्षता के लिए एक उपयुक्त पाठ्यक्रम की आवश्यकता महसूस की जाती रही है। संस्थान के युवा नेतृत्व ने समसामयिक आवश्यकता को दृष्टिगत कर गृह विज्ञान संकाय के अन्तर्गत स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं के समुचित अध्ययन की व्यवस्था सुनिश्चित की है। गृह विज्ञान के अन्तर्गत स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं के समुचित अध्ययन की व्यवस्था सुनिश्चित की है। गृह विज्ञान संकाय, एक पृथक भवन में आधुनिक साज-सज्जायुक्त प्रयोगशाला के साथ युवा, दक्ष एवं कुशल प्रयोगधर्मी प्राध्यापिकाओं के निर्देशन में संचालित किया जा रहा है।

- संस्थान में वर्ष 2002 से गृह विज्ञान स्नातक तीन वर्षीय पाठ्यक्रम छात्राओं को आवश्यक एवं सृजनात्मक एवं रोजगारपरक शिक्षा प्रदान करने हेतु आरम्भ किया गया। उक्त पाठ्यक्रम को पूर्ण करने के बाद छात्रा को बी.एस-सी. (गृह विज्ञान) की डिग्री प्रदान की जाती है।
- **संस्थान में वर्ष 2008-09 से एम.एस-सी. गृह विज्ञान पाठ्यक्रम दो वर्षीय पाठ्यक्रम (चाइल्ड डेवलेपमेन्ट, फूड एण्ड न्यूट्रिशन) प्रारम्भ किया है। उक्त पाठ्यक्रम को पूर्ण करने के बाद छात्रा को एम.एस-सी (गृह विज्ञान) की डिग्री प्रदान की जाती है।**
- गृह विज्ञान स्नातक पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु 80 सीटें है तथा परास्नातक पाठ्यक्रम में चाइल्ड डेवलेपमेन्ट में प्रवेश हेतु 38 सीटें एवं फूड एण्ड न्यूट्रिशन में प्रवेश हेतु 38 सीटें हैं।

अर्हता एवं प्रवेश प्रक्रिया

- स्नातक पाठ्यक्रम में केन्द्रीय एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित एवं मान्यता प्राप्त बोर्ड द्वारा इण्टरमीडिएट (10+2) अथवा समकक्ष परीक्षा किसी भी वर्ग में उत्तीर्ण छात्राएं प्रवेश ले सकती हे।
- इण्टरमीडिएट विज्ञान वर्ग से उत्तीर्ण छात्राओं को 10 अंको का भारांक दिये जाने का प्रावधान है।
- परास्नातक पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु केन्द्रीय एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित एवं मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय /महाविद्यालय से बी.एस-सी. (गृह विज्ञान) में उत्तीर्ण छात्राएं प्रवेश लेने के लिए अर्ह हैं।

उपलब्ध सुविधाएं

- योग्य, अनुभवी एवं दक्ष प्रवक्ताओं द्वारा अध्यापन।
- पाठ्यक्रम की आवश्यकतानुसार अतिथि प्रवक्ताओं को भी आहूत किया जाता है।
- सुसज्जित पुस्तकालय, वाचनालय एवं प्रयोगशाला।
- डिग्री के समानान्तर कम्प्यूटर शिक्षा एवं डिप्लोमा की सुविधा।
- विभिन्न सांस्कृतिक, साहित्यिक कार्यक्रमों एवं प्रतियोगिताओं का आयोजन।
- राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) में भाग लेने की व्यवस्था।
- डिग्री कोर्स के समय शैक्षिक पर्यटन।
- समयबद्ध अतिरिक्त व्याख्यान एवं निर्देशन की समुचित व्यवस्था।

विधि संकाय

विधि त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम की अर्हता एवं प्रवेश प्रक्रिया

- संस्थान में विधि त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम में प्रवेश मेरिट के आधार पर होगा।
- विधि त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम में न्यूनतम 45 प्रतिशत अंको के साथ स्नातक आवश्यक है। अनुसूचित जाति/जनजाति एवं पिछड़ा वर्ग हेतु न्यूनतम 40 प्रतिशत अंकों के साथ स्नातक आवश्यक है।
- विधि त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम में अभ्यर्थी की आयु दिनांक 01.07.2013 को 30 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए। अन्य वर्ग के अभ्यर्थियों की आयु में 05 वर्ष की छूट है।
- उक्त पाठ्यक्रम के सन्दर्भ में अध्ययन, अनुशासन, संकल्प एवं समर्पण संस्थान का मूलमन्त्र है।
- उक्त पाठ्यक्रम को पूर्ण कर लेने के पश्चात एल-एल. बी. की उपाधि मिलती है।

विधि पंचवर्षीय पाठ्यक्रम की अर्हता एवं प्रवेश प्रक्रिया

- विधि पंचवर्षीय (Integrated Course) पाठ्यक्रम संस्थान में सत्र 2003-04 से प्रारम्भ किया गया।
- विधि पंचवर्षीय पाठ्यक्रम में प्रवेश मेरिट के आधार पर होगा।
- विधि पंचवर्षीय पाठ्यक्रम में सीमित सीटें (120) ही हैं।
- विधि पंचवर्षीय पाठ्यक्रम में केन्द्रीय एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित एवं मान्यता प्राप्त बोर्ड द्वारा इण्टमीडिएट (10+2) अथवा समकक्ष परीक्षा किसी भी वर्ग में उत्तीर्ण छात्र/छात्राएं प्रवेश ले सकते है।
- विधि पंचवर्षीय पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु सभी वर्ग के अभ्यर्थियों को इण्टमीडिएट का न्यूनतम प्राप्तांक 45 प्रतिशत अनिवार्य है।
- विधि पंचवर्षीय पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु छात्र/छात्राओं की अधिकतम आयु दिनांक 01.07.2013 की 20 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए। अनुसूचित जाति/जनजाति एवं पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों को आयु में 2 वर्ष की छूट है।
- उक्त पाठ्यक्रम को पूर्ण कर लेने के पश्चात बी.ए.एल.-एल.बी. की उपाधि मिलती है।

उपलब्ध सुविधाएं

विधि पाठ्यक्रम के सफल संचालन हेतु संस्थान परिसर में निम्नलिखित सुविधाएं उपलब्ध हैं-

- विधि एवं अनुभवी प्राध्यापकों द्वारा अध्यापन।
- पाठ्यक्रम की आवश्यकतानुसार अतिथि प्रवक्ताओं का व्याख्यान।
- सुसज्जित पुस्तकालय, वाचनालय।
- पाठ्यक्रम के प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर के शिक्षण के साथ कम्प्यूटर शिक्षा की सुविधा।
- अध्ययन में पिछड़े छात्र/छात्राओं के लिए पृथक रूप से शैक्षणिक सहायता योजना की व्यवस्था।
- प्रतियोगी परीक्षाओं के इच्छुक छात्र/छात्राओं के लिए समयबद्ध अतिरिक्त व्याख्यान एवं निर्देशन की समुचित व्यवस्था।
- व्यक्तित्व विकास कार्यक्रम के अन्तर्गत उत्कृष्टता पर विशेष ध्यान। जिसके लिए नियमित उपस्थिति न्यूनतम 75 प्रतिशत अनिवार्य।

प्रवेश परीक्षा सम्बन्धी आवश्यक निर्देश

कमला नेहरू भौतिक एवं सामाजिक विज्ञान संस्थान में प्रवेश हेतु केन्द्रीय प्रवेश परीक्षा समिति का गठन किया गया है। वर्ष 2013-14 की परीक्षा समिति निम्नवत् है -

1. डॉ. अनुपम अग्रवाल (परीक्षा नियंत्रक एवं संयोजक) 9415046244
2. डॉ. सुरेन्द्र मणि त्रिपाठी 9415960600
3. डॉ. राधेश्याम सिंह 9415961500
4. डॉ. वीरेन्द्र सिंह 9452174094
5. डॉ. मिनयन सिंह

प्रवेशार्थी प्रवेश परीक्षा से सम्बन्धित जानकारी संस्थान के सूचना पट पर देखें।

(क) स्नातक कक्षाओं हेतु

1. बी.ए., बी.एस-सी. (बायो एवं गणित), बी.एस-सी (गृह विज्ञान), बी.एस-सी. (कृषि), बी.कॉम. एवं बी.बी.ए. प्रथम वर्ष की कक्षाओं में प्रवेश, प्रवेश परीक्षा के आधार पर ही होगा।
2. परीक्षार्थी उसी संकाय में प्रवेश पा सकेगें जिसके लिए उन्होनें प्रवेश परीक्षा दी है। यदि विकल्प के लिए दूसरे संकाय या विषय को भी रखना चाहते हैं तो उसके लिए अलग आवेदन पत्र भर कर परीक्षा देनी होगी।
3. प्रवेश परीक्षा में मेरिट में आए छात्र/छात्रा को पुनः संस्थान कार्यालय से प्राप्त फार्म भरने के पश्चात (सभी अंकपत्र की छायाप्रति, भारांक की छायाप्रति, चरित्र प्रमाण पत्र की मूलप्रति एवं स्थानान्तरण प्रमाण-पत्र की मूलप्रति सहित) प्रवेश समिति के समक्ष कॉउन्सिलिंग हेतु उपस्थित होना होगा। इस समिति की संस्तुति पर ही प्रवेश पाया जा सकता है। साथ में सभी मूल प्रमाण-पत्र अवश्य लाएं।
4. प्रवेश परीक्षा में वे छात्र/छात्रा ही अनुमन्य हैं, जिन्होंने इण्टरमीडिएट या समकक्ष परीक्षा 2010 अथवा उसके बाद उत्तीर्ण की हो।
5. प्रवेश परीक्षा आवेदन पत्र संस्थान कार्यालय से सभी कक्षाओं के लिए दिनांक 15 मई से 26 जून, 2013 तक सभी कार्य दिवसों में प्रातः 10:00 बजे से सायं 4:00 बजे के बीच निर्धारित परीक्षा शुल्क देकर प्राप्त एवं जमा कर सकते हैं।
6. प्रवेश परीक्षा आवेदन पत्र के साथ अंकपत्र की छायाप्रति लगाना अपेक्षित नहीं है परन्तु आवेदन पत्र में वाँछित सभी जानकारियां/अधिभारांक/आरक्षण सही-सही भरें तथा इसके लिए उपयुक्त प्रमाण-पत्र की छायाप्रति अवश्य संलग्न करें अन्यथा आरक्षण एवं अधिभारांक का लाभ नहीं दिया जायेगा।
7. वे अभ्यर्थी जो बी.ए., बी.एस-सी. एवं बी.कॉम. के साथ-साथ डिप्लोमा में अध्ययन भी चाहते हैं, उसके लिए अपने आवेदन पत्र में उल्लेख करें तथा उसके लिए अलग से होने वाली परीक्षा 'अभियोग्यता परीक्षण' में अवश्य बैठें। उसके लिए कोई पृथक परीक्षा शुल्क देय नहीं होगा।
8. प्रवेश परीक्षा शुल्क सभी स्नातक कक्षाओं के लिए ₹ 300/- मात्र है।
9. प्रवेश परीक्षा का परिणाम संस्थान के सूचना पट पर 10 जुलाई 2013 तक घोषित कर दिया जायेगा, जिसे संस्थान की बेबसाइट www.knmt.org.in पर भी देखा जा सकता है तत्पश्चात 17.07.2013 से प्रवेश प्रारम्भ हो जायेगा।
11. प्रवेश परीक्षा में सम्बन्धित विषय से इण्टरमीडिएट स्तर से 100 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेगें, जिसमें उत्तर के चार विकल्प होगें।
12. प्रश्नों के उत्तर ओ.एम.आर. शीट पर केवल एच.बी. पेन्सिल से ही भरें। परीक्षा भवन में परीक्षार्थी अपने साथ केवल एच.बी. पेन्सिल, रबर तथा कटर लेकर ही आयें। परीक्षा कक्ष में मोबाइल वर्जित है।

(ख) स्नातकोत्तर कक्षाओं हेतु

1. स्नातकोत्तर कक्षाओं में प्रवेश, प्रवेश परीक्षा में प्राप्त प्राप्तांक+अधिभारांक (यदि है तो) से बनने वाली मेरिट के आधार पर होगा।
2. प्रवेश की मेरिट सूची में आये प्रवेशार्थी कॉउसलिंग हेतु अपने अंक पत्र, प्रमाण-पत्र, अधिभारांक प्रमाण-प्रत्र की मूल एवं छायाप्रतियों के साथ प्राचार्य द्वारा घोषित तिथि तक सम्बन्धित विभाग में अवश्य उपस्थित हों अन्यथा प्रवेश हेतु आपका आवेदन निरस्त समझा जायेगा।
3. यदि आवेदक विकल्प के तौर पर अन्य विषय का भी चयन करना चाहते हैं तो अलग से आवेदन पत्र भरकर परीक्षा में अवश्य सम्मिलित हों परन्तु जिस विषय में प्रवेश लेना चाहते हों वह विषय स्नातक स्तर के अन्तिम वर्ष में होना अनिवार्य है।
4. स्नातकोत्तर कक्षाओं (एम.ए., एम.एस-सी तथा एम.कॉम) में प्रवेश हेतु छात्र/छात्रा को सम्बन्धित विषय के साथ स्नातक तृतीय वर्ष उत्तीर्ण होना आवश्यक है **किन्तु स्नातकोत्तर सूक्ष्म जीव विज्ञान (माइक्रोबायोलोजी) पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु अभ्यर्थियों को बी.एस-सी. (जीव विज्ञान) की किसी भी शाखा से जिसमें जैव प्रौद्योगिकी/रसायन विज्ञान/जीव रसायन विज्ञान/सूक्ष्म जीव विज्ञान कम से कम 2 वर्ष अध्ययन किया हो, अर्ह होगें। बी.काम. उत्तीर्ण छात्र का प्रवेश एम.ए. अर्थशास्त्र में मान्य है।**
5. प्रवेश परीक्षा आवेदन पत्र संस्थान कार्यालय से सभी कक्षाओं के लिए दिनांक 15 मई से 27 जून, 2012 तक सभी कार्य दिवसों में प्रातः 10:00 बजे से सायं 4:00 बजे के मध्य निर्धारित शुल्क देकर प्राप्त एवं जमा कर सकते हैं।
6. प्रवेश परीक्षा के साथ जाति प्रमाण-पत्र (अनुसूचित जाति/जनजाति हेतु) एन.सी.सी., एन.एस.एस., क्रीड़ा, विकलांगता, स्वतन्त्रता संग्राम सेनानी, विश्वविद्यालय एवं सम्बन्धित कालेज के पाल्य होने का प्रमाण-पत्र, ट्रस्ट के सदस्य का पाल्य होने का प्रमाण-पत्र आदि जिस किसी भी प्रकार का अधिभार प्रार्थित हो उसकी छायाप्रति लगाना अनिवार्य है अन्यथा यह सुविधा अनुमन्य नहीं होगी।
7. प्रवेश परीक्षा शुल्क सभी स्नातकोत्तर कक्षाओं के लिए ₹ 300/- मात्र है।
8. स्नातकोत्तर प्रवेश परीक्षा में सम्बन्धित विषय के स्नातक स्तर के 100 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेगें।
9. प्रश्नों के उत्तर ओ.एम.आर. शीट पर केवल एच.बी. पेन्सिल से ही भरें। परीक्षा भवन में परीक्षार्थी अपने साथ केवल एच.बी. पेन्सिल, रबर तथा कटर ही लेकर आयें। परीक्षा कक्ष में मोबाइल वर्जित है।

(ग) स्नातक और स्नातकोत्तर कक्षाओं में प्रवेश हेतु आरक्षण व्यवस्था

1. प्रवेश के लिए निर्धारित कुल स्थानों में से 21% स्थान अनुसूचित जाति के लिए, 2% स्थान अनुसूचित जनजाति के लिए, 27% स्थान अन्य पिछड़ी जाति के लिए तथा 10% स्थान प्रबन्ध समिति द्वारा नामित छात्र/छात्राओं के लिए आरक्षित है। किसी भी प्रकार के आरक्षण हेतु या अन्य भरांक हेतु जाति प्रमाण-पत्र, भारांक प्रमाण पत्र की छायाप्रति प्रवेश परीक्षा फार्म के साथ संलग्न करना अनिवार्य है।
2. इसके अतिरिक्त निम्न आरक्षण क्षैतिज रूप में होंगे -

1.	शारीरिक रूप से विकलांग हेतु	03 अंक
2.	स्वतन्त्रा संग्राम सेनानी के आश्रितों के लिए (पुत्र/अविवाहित पुत्री/पौत्र/प्रपौत्र/अविवाहित प्रपौत्र)	02 अंक
3.	भूतपूर्व सैनिक एवं युद्ध में अपंग रक्षाकर्मी के लिए तथा युद्ध में शहीद/अपंग रक्षाकर्मियों के पाल्यों के लिए	02 अंक
4.	कारगिल में शहीद/विकलांग सैनिकों के आश्रितों के लिए	01 अंक
5.	कश्मीर विस्थापितों के लिए	01 अंक

3. सभी प्रवेशों में खेलकूद, राष्ट्रीय कैडिट कोर, राष्ट्रीय सेवा योजना इत्यादि के लिए भारांक निम्न प्रकार से देय होगा -

1. राष्ट्रीय या राज्यस्तरीय या अर्न्तमहाविद्यालयीय खेलकूद प्रतियोगिता में अभ्यर्थी द्वारा

- एकल प्रतियोगिता में प्रथम आने पर — 03 अंक
- एकल प्रतियोगिता में द्वितीय आने पर — 02 अंक
- एकल प्रतियोगिता में तृतीय आने पर — 01 अंक

1. एन.सी.सी. या एन.एस.एस. इत्यादि के लिए

- एन.सी.सी. 'सी' प्रमाण-प्रत्र पाने वाले तथा जी-2 प्रमाण-पत्र पाने वाली महिला अभ्यर्थी — 03 अंक
- एन.सी.सी. 'बी' प्रमाण-पत्र पाने वाले तथा जी-1 प्रमाण-पत्र पाने वाली महिला अभ्यर्थी — 02 अंक
- एन.सी.सी. प्रमाण-पत्र एक वर्षीय प्रशिक्षण प्राप्त अभ्यर्थी — 01 अंक
- एन.सी.सी. के अन्तर्गत 240 घण्टे की सेवा तथा विशेष शिविर में भाग लेने वाले अभ्यर्थी — 03 अंक
- एन.सी.सी. के अन्तर्गत 240 घण्टे की सेवा करने वाले अभ्यर्थी — 01 अंक
- स्काउट एवं गाइड के राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त अभ्यर्थी — 03 अंक
- स्काउट एवं गाइड के राज्यपाल पुरस्कार प्राप्त अभ्यर्थी — 02 अंक

4. संस्थान के शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों के पाल्य, विश्वविद्यालय एवं सम्बन्धित कालेजों के शिक्षक एवं शिक्षणेततर कर्मचारियों के पाल्य के लिए 10% सीट आरिक्षित है।
5. पाल्य के अन्तर्गत केवल सगे भाई-बहन, पत्नी और पति तथा पुत्र/पुत्री ही अनुमन्य है।
6. स्नातकोत्तर कक्षाओं में प्रवेश में संस्थान से उत्तीर्ण स्नातक छात्र/छात्रा को 5 अंक भारांक देय होगा।

प्रवेश परीक्षा में प्रश्न हल करने सम्बन्धी निर्देश

1. प्रश्न पत्र एवं उत्तर पत्र (ओ.एम.आर.) अलग-अलग दिया जायेगा।
2. प्रश्नोत्तर ओ.एम.आर. शीट पर ही देना है।
3. ओ.एम.आर. की प्रत्येक प्रविष्टि को ध्यानपूर्वक पढ़ कर उसे निर्देशानुसार पूर्ण करें।
4. प्रवेश परीक्षा हेतु कोई पृथक पाठ्यक्रम नहीं है। अर्हता परीक्षा का पाठ्यक्रम तथा स्नातकोत्तर कक्षा में प्रवेश के लिए स्नातक स्तर का सम्बन्धित विषय का पाठ्यक्रम ही प्रवेश परीक्षा का पाठ्यक्रम है।
5. प्रश्नोत्तर हल करने के लिए अधिकतम 2 घण्टे का समय दिया जायेगा। किन्तु एक घण्टे से पूर्व कक्ष छोड़ने की अनुमति नही दी जायेगी।
6. परीक्षा कक्ष में किसी भी साथी से सहयोग लेने या देने पर या अनुशासन विरूद्ध कार्य करते हुए पाये जाने पर आपकी प्रवेश परीक्षा निरस्त कर दी जायेगी।
7. प्रवेश परीक्षा के दौरान मोबाइल न लायें।
8. केवल प्रविष्टि भरने से सम्बन्धित कोई सन्देह हो तो कक्ष निरीक्षक से सहयोग ले सकते हैं।
9. उत्तर पत्र का वृत को एच.बी. पेन्सिल से ही भरें।
10. उत्तर पत्र का नमूना संलग्न है। उसे भलीभाँति देखें और समझ लें।
11. प्रत्येक प्रश्न के उत्तर के चार विकल्प दिये जायेगें। सही उत्तर के सामने का वृत्त भलीभाँति एच.बी. पेन्सिल से वृत्त को पूरा रंग कर उत्तर दें।
12. गलत उत्तर के लिए अंक नही घटाया जायेगा अर्थात् माइनस मार्किंग नही होगी, अस्तु अपनी क्षमतानुसार अधिकाधिक प्रश्नों का उत्तर देने का प्रयास करें।
13. अधूरा या गलत तरीके से रंगा गया वृत्त आपके उत्तर को गलत कर सकता है।
14. वृत्त भरने का उचित तरीका है -

ओ.एम.आर. उत्तर प्रपत्र का प्रारूप

1. Roll No. (In words)

2. Date of Examination D D M M Y Y Y Y

3. Course Applying for under Graduate Classes

B.A. | B.Sc. (Maths) | B.Sc. (Bio) | B.Sc. (Home Sc.) | B.Sc. (Ag.) | B.Com. | B.B.A.

3. Course Applying for under Graduate Classes

M.A. (Hindi) | M.A. (Med. History) | M.A. (English) | M.A. (Economics) | M.A. (Geography) | M.A. (Pol. Science) | M.Com

M.Sc. (Zoology) | M.Sc. (Botany) | M.Sc. (Chemistry) | M.Sc. (Physics) | M.Sc. (Maths) | M.Sc. (Food Nutri) | M.Sc. (Child Dev.)

5. Roll No. अनुक्रमांक

6. Form No. फार्म संख्या

7. Category वर्ग

सामान्य

अनुसूचित जाति

अनुसूचित जनजाति

अन्य पिछड़ा वर्ग

ALL QUESTION ARE COMPULSORY FOR UNDER GRADUATE/POST GRADUATE STUDENTS

Candidate's Signature **Signature of Invigilator**

अनुशास्ता मण्डल

डॉ. कपिल देव सिंह (मुख्य अनुशास्ता)

मोबाइल : 9415878331

क्रम	नाम	संकाय	मोबाइल नम्बर
1.	डॉ. जयशंकर शुक्ल	वाणिज्य संकाय	9450214833
2.	डॉ. सुशील कुमार सिंह	कला संकाय	9415878462
3.	डॉ. विजय प्रताप सिंह	कला संकाय	9415969099
4.	श्री बिन्देश्वर प्रसाद सिंह	विधि संकाय	9839964285
5.	डॉ. बिहारी सिंह	शिक्षा संकाय	9452051205
6.	डॉ. प्रवीण कुमार सिंह	शारीरिक शिक्षा संकाय	9415968434
7.	श्रीमती किरन सिंह	कला संकाय	9453516460
8.	डॉ. सुनील प्रताप सिंह	विज्ञान संकाय	9415156909
9.	डॉ. रामनवन सिंह	विज्ञान संकाय	
10.	डॉ. सुभाष चन्द्र यादव	विधि संकाय	9415898900
11.	डॉ. अनुराग पाण्डेय		
12.	डॉ. राजेश सिंह		

क्रीड़ा परिषद

क्रम	नाम	संकाय	मोबाइल नम्बर
1.	प्राचार्य	अध्यक्ष / संरक्षक	9415962164
2.	डॉ. प्रवीण कुमार सिंह	सचिव	9415968434
3.	डॉ. वी.के. झा		9919994168
4.	डॉ. सुशील कुमार सिंह	सदस्य	9415878462
5.	डॉ. राजेश सिंह	सदस्य	9451255333
6.	डॉ. एस.पी. सिंह	सदस्य	
7.	श्री आर.एम. सिंह	सदस्य	9415968686

छात्र कल्याण अधिष्ठाता – डा0 राधेश्याम सिंह, क्रीड़ा, हिन्दी विभाग, 9415961500

संस्थान परिवार – शिक्षकगण

डा0 अनिल कुमार श्रीवास्तव
प्राचार्य
मोबाइल : 9451232371

कला संकाय – डॉ. सुरेन्द्र मणि त्रिपाठी–संकाय प्रभारी 9415960600

हिन्दी विभाग
1. डॉ. सुरेन्द्र मणि त्रिपाठी **विभागाध्यक्ष**
2. डॉ. राधेश्याम सिंह
3. डॉ. प्रतिमा सिंह
4. श्रीमती प्रिया श्रीवास्तव

राजनीति शास्त्र विभाग
1. श्रीमती रंजना सिंह **विभागाध्यक्ष**
2. श्री अनुराग पाण्डेय
3. श्री देवी बक्स सिंह
4. श्रीमती संजू सिंह

अर्थशास्त्र विभाग
1. डॉ. अनुपम अग्रवाल **विभागाध्यक्ष**
2. श्रीमती किरन सिंह
3. डा. प्रदीप कुमार त्रिपाठी
4. श्री जितेन्द्र राय

इतिहास विभाग
1. डॉ. सुशील कुमार सिंह **विभागाध्यक्ष**
2. डॉ. देवेन्द्र कुमार सिंह
3. डॉ. दीपमाला द्विवेदी
4. डॉ. सरोज बाला
5. श्रीमती एस.एल. श्रीवास्तव

समाजशास्त्र विभाग
1. डॉ. सुधाकर पाठक **विभागाध्यक्ष**
2. श्री. पी के सिंह

भूगोल विभाग
1. डॉ. ओ.पी. सिंह **विभागाध्यक्ष 9450216342**
2. डॉ. डी.के. त्रिपाठी
3. डॉ. आर.पी. मिश्र
4. डॉ. नम्रता वर्मा
5. श्री अभिषेक सिंह

अँग्रेजी विभाग
1. डॉ. वी.पी. सिंह **विभागाध्यक्ष**
2. डॉ. सुनीता राय
3. डॉ. रत्नेश कुमार बरनवाल
4. कु. प्रतिभा पाण्डेय

संस्कृत विभाग
1. श्रीमती वन्दना सिंह **विभागाध्यक्ष**
2. श्री दीनानाथ

उर्दू विभाग
1. डॉ. निकहत रफीक **विभागाध्यक्ष**

मनोविज्ञान विभाग
1. डॉ. अतुल कुमार मिश्र **विभागाध्यक्ष**

शिक्षाशास्त्र विभाग
1. डॉ. वी.पी. सिंह **विभागाध्यक्ष**

विज्ञान संकाय – डॉ0 आर0 पी0 सिंह

रसायन विज्ञान विभाग
1. डॉ. आर पी सिंह **विभागाध्यक्ष**
2. डॉ. प्रशान्त सिंह
3. कु. साबिया जफर
4. कु. नाजिया परवीन
5. कु. सोनल पाण्डेय
6. श्री प्रेम चन्द्र
7. श्री शिव प्रताप शुक्ला
8. श्री अमित कुमार गुप्ता
9. कु. शिखा श्रीवास्तव
10. कु. शिवानी सक्सेना

जन्तु विज्ञान विभाग

1. डॉ. इन्दू सिंह **विभागाध्यक्ष**
2. डॉ. आर.एन. सिंह
3. श्री आर.के. पाण्डेय
4. श्री जयराज पाण्डेय
5. श्री अविनाश मालवीय
6. श्री अंजनी कुमार श्रीवास्तव

वनस्पति विज्ञान विभाग

1. डॉ. अजय कुमार सिंह **विभागाध्यक्ष**
2. डॉ. एच आर सिंह
3. डॉ. मीनाक्षी पाण्डेय
4. डॉ. एस.के. शुक्ला
5. डॉ. आर.के. त्रिपाठी

भौतिक विज्ञान एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग

1. डॉ. एस.के. श्रीवास्तव **विभागाध्यक्ष**
3. डॉ. एस.पी. सिंह
4. डॉ. एल.के. द्विवेदी
5. श्री सुशील कुमार सिंह
6. श्री अमरेश सिंह
7. कु. अमृता श्रीवास्तव
8. श्री राहुल श्रीवास्तव
9. श्री अजय कुमार गुप्ता
10. श्री प्रमोद कुमार सिंह

गणित विभाग

1. डॉ. योगेन्द्र बहादुर सिंह **विभागाध्यक्ष**
2. श्रीमती नाहीद खानम
3. श्री मनोज कुमार सिंह
4. श्री ए.पी. सिंह

माइक्रोबायोलोजी विभाग

1. श्री आर.के. वर्मा **विभागाध्यक्ष**
2. डॉ. आशुतोष त्रिपाठी
3. डॉ. (श्रीमती) चन्दन सिंह
4. श्री महेन्द्र कुमार
5. श्री रवि त्रिवेदी

पर्यावरण विज्ञान विभाग

1. डॉ. मनीषा सक्सेना **विभागाध्यक्ष**
2. डॉ. पूनम पाण्डेय
3. श्री सतीश कुमार दूबे

वाणिज्य संकाय – डॉ प्रेम मोहन – संकाय

प्रभारी 9919994168

1. डॉ. प्रेम मोहन **विभागाध्यक्ष**
2. डॉ. आर.एस. सिंह
3. डॉ. बी.के. झा
4. डॉ. एस.बी. सिंह
5. डॉ. वीरेन्द्र सिंह
6. डॉ. के.डी. सिंह
7. डॉ. जयशंकर शुक्ल
8. डा. राशिद अली
9. डा. वीरेन्द्र श्रीवास्तव
10. डा. विष्णु शंकर अग्रहरि

विधि संकाय – श्री सुरेन्द्र कुमार सिंह – संकाय

प्रभारी 9839685246

1. श्री एस के सिंह **विभागाध्यक्ष**
2. श्री बी.पी. सिंह
3. डॉ. शिव बहादुर तिवारी
4. श्री प्रभात कुमार
5. श्री एस.डी. सिंह
6. डॉ. मोईन अतहर, (प्राधानाचार्य)
7. श्री अब्दुल हफीज़ खान
8. श्री सुभाष चन्द्र यादव
9. कु. वन्दना सिंह
10. श्री हरिशंकर गौतम
11. श्री सुशील कुमार सिंह
12. डॉ. विशाल विक्रम सिंह
13. श्री अवधेश दूबे
14. संजय पाण्डेय

शिक्षा संकाय – डॉ. सुरेन्द्र प्रताप सिंह–संकाय

प्रभारी 9415878146

1. डॉ. ऊषा तिवारी
2. डॉ. एस.पी. सिंह **विभागाध्यक्ष**
3. डॉ. नीता सिंह
4. श्री पी.के. सिंह
5. डॉ बिहारी सिंह

6. डॉ. दिनेश प्रसाद मिश्र
7. डॉ. सुरेन्द्र प्रताप सिंह 'वत्स'
8. डॉ. उमाशंकर सिंह

शारीरिक शिक्षा संकाय – डॉ. प्रवीण कुमार सिंह – संकाय प्रभारी 9415968434

1. डॉ. प्रवीण कुमार सिंह **विभागाध्यक्ष**
2. श्री सुधीर कुमार श्रीवास्तव
3. श्री अरूण कुमार मिश्र
4. श्रीमती नीरजा चौहान

गृहविज्ञान संकाय – डॉ. राधेश्याम सिंह–संकाय प्रभारी 9415961500

1. डॉ. ममता जायसवाल **विभागाध्यक्ष**
2. श्रीमती श्वेता सिंह
3. डॉ. बबिता वर्मा
4. श्रीमती सीमा दूबे
5. कु. ममता कुमारी
6. कु. सुप्रिया श्रीवास्तव
7. कु. स्तुति अग्रवाल
8. डॉ नीतू सिंह
9. कु. सरिता तिवारी
10. श्रीमती शीलम
11. कु. वन्दना विश्वकर्मा

कृषि संकाय – डॉ. आर.एन. सिंह–संकाय प्रभारी 9451555839

1. डॉ. चन्द्रकांत त्रिपाठी **विभागाध्यक्ष**
2. डॉ. सलीम अख्तर खां
3. डॉ. महिचन राम
4. डॉ. राम रूप यादव
5. डॉ. संजय कुमार सिंह
6. डॉ. आर.के. वर्मा
7. श्री सच्चिदानन्द त्रिपाठी
8. श्री मानसिंह कुशवाहा

प्रबन्धन संकाय – डॉ. पीयूष पाण्डेय–संकाय प्रभारी 9415091674

1. डॉ. पीयूष पाण्डेय **विभागाध्यक्ष**
2. श्रीमती टीनू कौर
3. श्री मैथ्यू भास्कर सिंह
4. डॉ. दानिश अहमद अंसारी

कमला नेहरू विधि संस्थान

1. डॉ. मो. मोईन अतहर **प्राचार्य 9839826614**
2. श्री अब्दुल हफीज खां
3. श्री सुबाष चन्द्र यादव
4. श्रीमती वन्दना सिंह
5. श्री हरीशंकर गौतम
6. श्री एस.के. सिंह
7. श्री वी.वी. सिंह
8. श्री ए.पी. दूबे
9. श्री संजय पाण्डेय

कम्प्यूटर संकाय

1. श्री बसन्त कुमार विश्मकर्मा
2. मृदुल रस्तोगी

संस्थान परिवार – शिक्षणेत्तर कर्मचारीगण

कार्यालय सदस्य

1.	श्री अमर बहादुर सिंह	कार्यालय अधीक्षक **9415359127**
2.	श्री सुरेश नाथ दूबे	आशुलिपिक
3.	श्री एम.एम.के. सिद्दीकी	नैत्य लिपिक
4.	श्री जय बहादुर	नैत्य लिपिक
5.	श्री बरसातू	नैत्य लिपिक
6.	श्री फरहत उल्ला अंसारी	नैत्य लिपिक
7.	श्री सुदर्शन शान्त	पुस्त. लिपिक
8.	श्री श्रीश कुमार सिंह	नैत्य लिपिक
9.	श्री अनिल कुमार सिंह	कार्य.लेखाकार
10.	श्री आँजनेय सिंह	नैत्य लिपिक
11.	श्री सावन्त कुमार सिंह	नैत्य लिपिक
12.	श्री अनिल कुमार सिंह-II	नैत्य लिपिक
13.	श्री प्रदीप कुमार श्रीवास्तव	नैत्य लिपिक
14.	श्री अशोक कुमार मिश्र	नैत्य लिपिक
15.	श्री विजय बहादुर यादव	कम्प्यूटर आपरेटर
16.	श्री जय बहादुर सिंह	लिपिक
17.	श्री अरविन्द कुमार विश्वकर्मा	लिपिक
18.	श्री हसीब अहमद	लिपिक
19.	श्री अर्जुन यादव	कम्प्यूटर आपरेटर

पुस्तकालय सदस्य

1.	श्री राजेश पाण्डेय	उप पुस्ताकालयाध्यक्ष 9415968003
2.	श्री अजय कुमार सिंह	सूचीकार
3.	श्री एस के मिश्र	पुस्तकालय लिपिक
4.	श्री गंगा राम सिंह	पुस्तकालय लिपिक
5.	श्री आनन्द मिश्रा	पुस्तकालय लिपिक
6.	श्री सत्यदेव द्विवेदी	पुस्तकालय लिपिक

प्रयोगशाला सहायक

1.	श्री हरिगोविन्द सिंह	वनस्पति विज्ञान विभाग
2.	श्री उमा शंकर पाण्डेय	भौतिक विज्ञान विभाग
3.	श्री सुरेन्द्र कुमार श्रीवास्तव	रसायन विज्ञान विभाग
4.	श्री बद्री प्रसाद सिंह	जन्तु विज्ञान विभाग
5.	श्री मनवीर सिंह जायस	रसायन विज्ञान विभाग
6.	श्री आनन्द श्रीवास्तव	रसायन विज्ञान विभाग
7.	श्री अवधेश कुमार सिंह	जन्तु विज्ञान विभाग
8.	श्री राम शब्द	भूगोल विभाग
9.	नैनसी श्रीवास्तव	

प्रयोगशाला परिचर

1.	श्री देवता दयाल	रसायन विज्ञान विभाग
2.	श्री हरि कृष्ण	रसायन विज्ञान विभाग
3.	श्री राम मिलन चौहान	भौतिक विज्ञान विभाग
4.	श्री केसरनाथ सिंह	भूगोल विभाग
5.	श्री सन्त प्रसाद दानी	रसायन विज्ञान विभाग
6.	श्री श्रीनाथ कुमार	वनस्पति विज्ञान विभाग
7.	श्री जवाहर जायसवाल	वनस्पति विज्ञान विभाग
8.	श्री मेवालाल मौर्य	इलेक्ट्रानिक्स
9.	श्री शीतला प्रसाद	माइक्रोबायोलोजी
10.	श्री अनिल प्रजापति	पर्यावरण विज्ञान

चतुर्थ श्रेणी कर्मचारीगण

1.	श्री राम सकल यादव	इलेक्ट्रीशियन
2.	श्री सुरेश चन्द्र यादव	बुक लिफ्टर
3.	श्री भवानी प्रसाद पाण्डेय	बुक बाइन्डर
4.	श्री राजेश तिवारी	सेवाकार
5.	श्री साकेत चन्द्र	सेवाकार
6.	श्री पद्माकर पाठक	सेवाकार
7.	श्री नसीब अहमद	सेवाकार
8.	श्री लाल बहादुर सिंह	सेवाकार
9.	श्री अमर सिंह	सेवाकार
10.	श्री साहब सरन	सेवाकार
11.	श्री तहसीन बानों	सेवाकार
12.	श्री मुनीराम	सेवाकार
13.	श्री उदय प्रताप सिंह	चौकीदार
14.	श्री आफताब अहमद	सेवाकार
15.	श्री गयादीन	माली
16.	श्री मुकुन कुमार	स्वीपर
17.	श्री राम प्रकाश	स्वीपर

18. श्री अमरेन्द्र बहादुर राना	सेवाकार
19. श्री वीरेन्द्र गोप	सेवाकार
20. श्री शारदा प्रसाद	सेवाकार
21. श्री राजेश कुमार	सेवाकार
22. श्री राजू यादव	सेवाकार
23. श्री अजीत कुमार यादव	सेवाकार
24. श्री रोहित कुमार यादव	सेवाकार
25. श्री हौसिला प्रसाद तिवारी	सेवाकार
26. श्री नन्दलाल	स्वीपर
27. श्री मिथुन	स्वीपर
28. श्री हुबलाल	स्वीपर
29. श्री राम सुमिरन यादव	सेवाकार
30. श्री विजय प्रकाश यादव	सेवाकार
31. श्री राम मिलन	माली
32. श्री ठनगनी	माली
33. श्री राज कुमार	सेवाकार
34. श्री राम तीरथ मिश्र	चौकीदार
35. श्री रमाकान्त पाठक	स्टैण्ड कीपर
36. श्री सुनील कुमार यादव	सेवाकर
37. श्री अशोक कुमार यादव	चौकीदार
38. श्री कपिल देव यादव	सेवाकार
39. श्री शिव नारायण	सेवाकार
40. श्री रंजीत कुमार	सेवाकार
41. श्री राम मिलन यादव	चौकीदार
42. श्री एस.के. वर्मा	सेवाकार
43. श्री अनिल कुमार प्रजापति	सेवाकार
44. श्री शीतला प्रसाद	सेवाकार

KAMLA NEHRU
GROUP OF INSTITUTIONS

Sultanpur (UP)

SHAPING CAREERS FOR THE LAST 40 YEARS

ADMISSION OPEN 2013-14

Kamla Nehru Institute of Physical & Social Science (B.Tech)	GBTU Code - 382
Kamla Nehru Institute of Physical & Social Science (MCA)	GBTU Code - 382
Kamla Nehru Institute of Physical & Social Science (MBA)	GBTU Code - 135
Kamla Nehru Institute of Management & Technology (B.Pharm)	GBTU Code - 186
Kamla Nehru Institute of Management & Technology (M.Pharm)	GBTU Code - 186

NH-96, Faizabad-Allahabad Bypass Road, Faridipur, Sultanpur (UP) - 228 118
Tel : 05362-253535 (B.Tech.), 253243 (MBA), 225022 (Nursing)
Mob. : 9935141142 (24hrs.) Website : www.knmt.org.in